Postal Regn No./C.G./RYP DN/48/2023-25

www.dainikvishwapariwar.com

रायपुर (छ.ग.) एवं झांसी (उ.प्र.) से एक साथ प्रकाशित राष्ट्रीय हिन्दी पत्र

दैनिक विश्व परिवार

● अंक : 61 ● वर्ष : 14 ● रायपुर, शनिवार 05 सितम्बर 2026 ● पृष्ठ : 08 ● मूल्य : 3 रूपए ● संस्थापक : कीर्तिशेष- श्री कैलाश चन्द्र जैन

सुविचार

आज लोकतंत्र को सम्हालने वालों का तैयार करने वालों की आवश्यकता है जो इस भारत के लोकतंत्र को सही दिशा प्रदान कर सकें।

Today we need such people who can prepare defenders of democracy who in turn can give right derection to Indian democracy.

आचार्य श्री विद्यासागर जी महाराज

जन्माष्टमी पर देशभर में भक्तिमय माहौल

- मंदिरों में उमड़ी श्रद्धालुओं की भीड़
- धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ मनाया भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव

मथुरा। मथुरा से मुंबई और जयपुर से गुरुवायूर तक शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की धूम रही। देशभर के मंदिरों में श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ी और पूजा-अर्चना, आरती व भजन-कीर्तन से माहौल भक्तिमय बना रहा। देश के विभिन्न हिस्सों में श्रद्धालुओं ने धार्मिक उत्साह और उल्लास के साथ भगवान श्रीकृष्ण का जन्मोत्सव मनाया। वहीं, मुंबई में शनिवार को होने वाले दही-हांडी उत्सव को लेकर तैयारियां भी जोर पकड़ रही हैं। शहर में 'गोविंदा' की कई उत्साही टोलियां ऊंचाई पर लटकाए गए दही और दूध से भरे मटकों को तोड़ने के लिए तैयार हैं।

गिरगांव चौपाटी स्थित इस्कॉन मंदिर में शुक्रवार सुबह भव्य 'मंगला आरती' के साथ जन्माष्टमी के धार्मिक अनुष्ठानों की शुरुआत हुई। भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन और पूजा-अर्चना के लिए बड़ी संख्या में श्रद्धालु मंदिर पहुंचे। आध्यात्मिक गुरु केशव चंद्र दास ने 'पीटीआई-वीडियो' से कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जन्म आधी रात को अंधकार के बीच हुआ था, लेकिन उन्होंने भगवद्गीता के माध्यम से पूरी दुनिया को आलोकित किया। उन्होंने अर्जुन के माध्यम से संपूर्ण मानवता को एक महत्वपूर्ण संदेश दिया। कृष्ण जन्माष्टमी को कृष्णाष्टमी के नाम से भी जाना जाता है। यह भगवान विष्णु के आठवें अवतार भगवान श्रीकृष्ण के जन्म का उत्सव है। इस अवसर पर देशभर के मंदिरों में विशेष पूजा-अर्चना, भजन-कीर्तन और धार्मिक कार्यक्रम आयोजित किए गए। बड़ी संख्या में श्रद्धालुओं ने व्रत रखा और भगवान श्रीकृष्ण के दर्शन के लिए मंदिरों का रुख किया।

उत्तर प्रदेश के मथुरा में जन्माष्टमी के अवसर पर श्रीकृष्ण जन्मस्थान को 'समुद्र मंथन' की थीम पर सजाया गया। मुख्यमंत्री योगी आदित्यनाथ ने मंदिर परिसर में पहुंचकर पूजा-अर्चना की। वहीं, राज्यपाल आनंदीबेन पटेल ने लखनऊ के एक मंदिर में दर्शन किए। मथुरा में जन्माष्टमी को लेकर मंदिर परिसर और आसपास के क्षेत्रों में विशेष धार्मिक आयोजन किए गए। राजस्थान के जयपुर में जन्माष्टमी के अवसर पर गोविंददेवजी मंदिर सहित प्रमुख मंदिरों में सुबह से ही श्रद्धालुओं की भारी भीड़ उमड़ने लगी। ऐतिहासिक गोविंददेवजी मंदिर में भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव में शामिल होने के लिए श्रद्धालु बृहस्पतिवार देर रात से ही पहुंचने लगे थे। शुक्रवार सुबह चार बजे मंगला आरती के साथ दर्शन शुरू हुए। मंदिर प्रशासन के अनुसार, जन्माष्टमी का मुख्य उत्सव शुक्रवार मध्यरात्रि को मनाया जाएगा।

चेन्नई के इस्कॉन मंदिर में भी शुक्रवार को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी पूरे धार्मिक उत्साह के साथ मनाई गई। इस्कॉन के अनुसार, चेन्नई ईसीआर स्थित मंदिर में दो दिवसीय उत्सव की शुरुआत 3 सितंबर को हुई थी।

केंद्रीय मंत्री गिरिराज सिंह से मुख्यमंत्री साय ने की मुलाकात

- टेक्सटाइल सेक्टर में छत्तीसगढ़ के लिए बड़ी संभावनाएं, केंद्र करेगा हरसंभव सहयोग

नई दिल्ली। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने आज नई दिल्ली में केंद्रीय वस्त्र मंत्री श्री गिरिराज सिंह से मुलाकात कर छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल उद्योग के विस्तार, निवेश और रोजगार की संभावनाओं पर विस्तार से चर्चा की। मुख्यमंत्री ने केंद्रीय मंत्री को राज्य की नई औद्योगिक विकास नीति में टेक्सटाइल सेक्टर को दिए गए विशेष प्रोत्साहनों तथा इस क्षेत्र में आ रहे निवेश की जानकारी दी। दोनों नेताओं के बीच छत्तीसगढ़ को मध्य भारत के प्रमुख टेक्सटाइल और अपैरल मैन्युफैक्चरिंग हब के रूप में विकसित करने तथा आधुनिक तकनीक, डिजाइन और नवाचार को राज्य के पारंपरिक वस्त्र कौशल से जोड़ने को लेकर भी चर्चा हुई।

मुख्यमंत्री श्री साय ने कहा कि छत्तीसगढ़ में टेक्सटाइल सेक्टर के विकास की व्यापक संभावनाएं हैं। राज्य सरकार ने औद्योगिक विकास नीति 2024-30 में टेक्सटाइल सेक्टर को थ्रस्ट सेक्टर के रूप में शामिल किया है। इसके अंतर्गत इस क्षेत्र में निवेश करने वाले उद्यमियों के लिए आकर्षक प्रोत्साहन एवं अनुदान का प्रावधान किया गया है। इन प्रावधानों के परिणामस्वरूप टेक्सटाइल क्षेत्र में निवेशकों की रुचि तेजी से बढ़ी है और प्रदेश में नई इकाइयों की स्थापना का मार्ग प्रशस्त हुआ है।

मुख्यमंत्री ने बताया कि राज्य सरकार की औद्योगिक नीति का प्रमुख उद्देश्य निवेश के साथ स्थानीय युवाओं के लिए अधिक से अधिक रोजगार सृजित करना है। इसी दृष्टि से एक हजार से अधिक लोगों को रोजगार उपलब्ध कराने वाली औद्योगिक इकाइयों के लिए विशेष प्रोत्साहन का प्रावधान किया गया है। टेक्सटाइल और अपैरल उद्योग श्रम आधारित होने के कारण बड़ी संख्या में प्रत्यक्ष रोजगार उपलब्ध कराने की क्षमता रखता है। नई नीति के इन प्रावधानों से छत्तीसगढ़ टेक्सटाइल निवेश के लिए आकर्षक गंतव्य के रूप में तेजी से उभर रहा है।

नितिन नवीन की अध्यक्षता में 'जल मंथन' कार्यशाला

- भाजपा शासित राज्यों के जल शक्ति मंत्री हुए शामिल

नई दिल्ली। भारतीय जनता पार्टी के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन की अध्यक्षता में आज गुरुवार को भाजपा मुख्यालय, नई दिल्ली में भाजपा शासित राज्यों के जल शक्ति मंत्रियों के लिए 'जल मंथन' कार्यशाला आयोजित की गई। इसमें प्रभावी मंत्री-व्यवस्था, भारत के जल संसाधनों के परिदृश्य तथा संगठन-सरकार संबंधों पर विशेषज्ञों ने मार्गदर्शन दिया। यह कार्यशाला भाजपा के सुशासन एवं पॉलिसी रिसर्च विभाग द्वारा आयोजित की गई। इस कार्यशाला का उद्देश्य मंत्रियों की कार्यक्षमता बढ़ाना, सरकारों को बेहतर परिणाम हासिल करने में मदद करना और सुशासन के लक्ष्य को मजबूत करना है।

भारतीय जनता पार्टी ही एकमात्र ऐसी पार्टी है जो अपनी सरकारों को उनके कामकाज के जरिए बेहतर नतीजे हासिल करने में मदद करने की कोशिश करती रहती है। इसी विचार को लेकर सभी भाजपा शासित राज्यों के जल शक्ति मंत्रियों का दो दिन का 'जल मंथन' आयोजित किया गया है। भारत सरकार ने सभी राज्यों के जल शक्ति मंत्रियों का एक सम्मेलन बुलाया था। उसके समाप्त होने के बाद यह बैठक और कार्यशाला कल बुधवार को भाजपा के माननीय राष्ट्रीय अध्यक्ष श्री नितिन नवीन जी के उद्बोधन से प्रारंभ हुई।

शक्कर के बढ़े दाम और बढ़ती महंगाई को लेकर कांग्रेस ने किया प्रदेश भर में चीनी सत्याग्रह

रायपुर (विश्व परिवार)। शक्कर के बढ़े दाम और राशन एवं खाद्य सामाग्री तेल आदि के बढ़े दामों और बेतहाशा महंगाई के खिलाफ प्रदेश कांग्रेस के आह्वान पर कांग्रेस के द्वारा सभी जिलों में 'चीनी सत्याग्रह' किया गया तथा धरना प्रदर्शन कर महंगाई को भाजपा की केंद्र और राज्य सरकारों की विफ्लता बताया गया।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि केंद्र सरकार की जनविरोधी नीति और बेतहाशा टैक्स वसूलने की नीति के कारण देश की जनता पर महंगाई की मार पड़ रही है। आम आदमी की रसोई से लेकर रोजमर्रा का बजट बिगड़ चुका है। मध्यम वर्ग का जीवन कठिन हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा कि मोदी सरकार ने 100 दिन में महंगाई पर लगाम लगाने का दावा किया था, आज उसी सरकार के कार्यकाल में आम आदमी की रसोई का बजट बिगड़ चुका है। शक्कर की बढ़ती कीमतों के खिलाफ कांग्रेस आज प्रदेशभर में 'चीनी सत्याग्रह' के माध्यम से जनता की आवाज सरकार तक पहुंचा रही है।

जम्मू-कश्मीर के बडगाम में एक आतंकवादी ढेर

- सेना का ऑपरेशन, दूसरे आतंकी की तलाश जारी

जम्मू-कश्मीर। जम्मू-कश्मीर के बडगाम जिले के जंगल में शुक्रवार को सेना और जम्मू-कश्मीर पुलिस के जॉइंट ऑपरेशन में एक आतंकी मारा गया। चिनार कॉर्प्स ने पोस्ट पर इस ऑपरेशन की जानकारी दी है। यह ऑपरेशन जंगल के अंदर अशदार गली इलाके में चलाया गया। सुरक्षाबलों को यहां एक और आतंकी के छिपे होने की आशंका है। उसकी तलाश जारी है। सेना के अधिकारियों के मुताबिक, मारे गए आतंकी की पहचान अभी नहीं हो पाई है। हालांकि, मौके से एके 47 राइफल बरामद की गई है। यह मुठभेड़ घाटी में करीब 2 महीने बाद हुई है। पिछला एनकाउंटर 9 जुलाई को शोपियां के चानपोरा में हुआ था। सेना ने लश्कर के 2 आतंकी मार गिराए थे, दोनों आतंकी लश्कर-ए-तैयबा के टॉप ऑपरेटिव थे। सुरक्षाबलों को गुरुवार शाम को आतंकियों के एक संदिग्ध ग्रुप के पुलवामा जिले के पाखेरपोरा से बडगाम के यूसमर्ग की ओर बढ़ने की खबर मिली थी। इसके बाद सर्च ऑपरेशन शुरू किया गया।

चिनार कॉर्प्स ने X पर बताया कि पुख्ता खुफिया सूचना के आधार पर भारतीय सेना, जम्मू-कश्मीर पुलिस और सीआरपीएफ ने बडगाम के अशदार गली में जॉइंट ऑपरेशन शुरू किया। जवानों ने इलाके में संदिग्ध गतिविधि देखी। इसके बाद संदिग्ध आतंकियों से सरेंडर के लिए कहा गया। जिसके बाद आतंकियों ने फायरिंग शुरू कर दी। इसके बाद सुरक्षाबलों और आतंकियों के बीच तेज गोलीबारी हुई। जिसमें एक आतंकी मारा गया।

भारत के पास दुनिया की कार्यशाला, हमारे पास वैश्विक बाजार : बेल्जियम पीएम

- महाराष्ट्र सरकार के मंत्री जयकुमार रावल ने मुंबई हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया

मुंबई। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी से मुलाकात के बाद बेल्जियम के प्रधानमंत्री बार्ट डी वेवर शुक्रवार को मुंबई पहुंचे। महाराष्ट्र सरकार के विपणन और प्रोटोकॉल मंत्री जयकुमार रावल ने मुंबई हवाई अड्डे पर उनका स्वागत किया। इसके बाद बेल्जियम के प्रधानमंत्री बांद्रा-कुर्ला कॉम्प्लेक्स (बीकेसी) स्थित भारत डायमंड बोर्स (बीडीबी) पहुंचे, जहां उन्होंने हीरा उद्योग, बंदरगाह और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों और हितधारकों से मुलाकात की। इस दौरान उन्होंने भारत और बेल्जियम के बीच हीरा व्यापार समेत व्यापक आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने की संभावनाओं पर चर्चा की।

विदेश मंत्रालय के प्रवक्ता रणधीर जायसवाल ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर बताया कि बेल्जियम के प्रधानमंत्री के मुंबई दौरे के दौरान हीरा उद्योग, पोर्ट्स और लॉजिस्टिक्स क्षेत्र से जुड़े प्रमुख प्रतिनिधियों तथा हितधारकों के साथ उनकी महत्वपूर्ण बैठकें निर्धारित हैं। उन्होंने कहा कि इन बैठकों और चर्चाओं से भारत और बेल्जियम के बीच आर्थिक संबंधों को और मजबूत करने तथा व्यापार और निवेश के नए अवसरों को बढ़ावा देने में मदद मिलने की उम्मीद है। भारत डायमंड बोर्स में संबोधन के दौरान बार्ट डी वेवर ने कहा कि पिछले कुछ दशकों में भारत कम लागत वाले डायमंड कटिंग केंद्र से आगे बढ़कर उच्च गुणवत्ता वाले केंद्र के रूप में उभरा है।

इटली में सबसे लंबे समय तक पीएम रहने पर मेलोनी को प्रधानमंत्री मोदी ने दी बधाई

नई दिल्ली। प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने शुक्रवार को इटली की प्रधानमंत्री जॉर्जिया मेलोनी को इटली के युद्धोत्तर इतिहास में सबसे लंबे समय तक लगातार पद पर रहने वाली प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी। उन्होंने कहा कि यह उपलब्धि मेलोनी के नेतृत्व में इटली की जनता के विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। पीएम मोदी ने उनके उज्ज्वल भविष्य और निरंतर सफलता की कामना करते हुए भारत और इटली के बीच विशेष रणनीतिक साझेदारी को और मजबूत करने की प्रतिबद्धता भी जताई।

प्रधानमंत्री मोदी ने सोशल मीडिया प्लेटफॉर्म 'एक्स' पर पोस्ट कर कहा, मेरी मित्र प्रधानमंत्री मेलोनी को इटली के युद्धोत्तर इतिहास की सबसे लंबे समय तक लगातार सेवा देने वाली प्रधानमंत्री बनने पर हार्दिक बधाई। यह उपलब्धि उनके नेतृत्व में इटली की जनता के विश्वास और भरोसे को दर्शाती है। उन्होंने कहा कि मेलोनी की दोस्ती ने भारत-इटली विशेष रणनीतिक साझेदारी को मजबूत करने में महत्वपूर्ण योगदान दिया है। पीएम मोदी ने दोनों देशों के लोगों के लिए बेहतर और समृद्ध भविष्य बनाने के लिए करीबी सहयोग को आगे बढ़ाने की इच्छा जताई और आने वाले वर्षों में मेलोनी की निरंतर सफलता के लिए शुभकामनाएं दीं।

जॉर्जिया मेलोनी की सरकार ने पूर्व प्रधानमंत्री सिल्वियो बर्लुस्कोनी के कार्यकाल के रिकॉर्ड को पीछे छोड़ते हुए इटली गणराज्य के युद्धोत्तर इतिहास में सबसे लंबे समय तक चलने वाली सरकार का दर्जा हासिल किया है। मेलोनी ने 22 अक्टूबर 2022 को इटली की पहली महिला प्रधानमंत्री के रूप में पद संभाला था। शुक्रवार को उनकी सरकार ने सत्ता में 1,413 दिन पूरे कर लिए। इससे पहले जुलाई में मेलोनी ने प्रधानमंत्री मोदी को भारत के इतिहास में सबसे लंबे समय तक सेवा देने वाले निर्वाचित प्रधानमंत्री बनने पर बधाई दी थी।

दिल्ली इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भरा, उड़ानें प्रभावित

नई दिल्ली। दिल्ली-एनसीआर में शुक्रवार दोपहर से तेज बारिश हो रही है। मौसम विभाग ने ऑरेंज अलर्ट जारी किया है। अगले 3 घंटों में ज्यादातर जगहों पर भारी बारिश के साथ 60 किमी प्रति घंटे की रफ्तार से हवा चल सकती है। दोपहर में भारी बारिश से इंटरनेशनल एयरपोर्ट पर पानी भर गया। बारिश के चलते उड़ानों पर भी असर पड़ा। अहमदाबाद, मुंबई और पोर्ट ब्लेयर से आने वाली उड़ानें देरी से दिल्ली पहुंचीं। एयरपोर्ट परिसर के कई हिस्सों में पानी जमा होने से पैसेंजर्स को परेशानी हुई। उधर, उत्तर प्रदेश में लगातार हो रही बारिश से 23 जिलों में बाढ़ जैसे हालात बने हुए हैं। वाराणसी और चित्रकूट सबसे ज्यादा प्रभावित हैं। अब तक 16 हजार से अधिक लोगों को रेस्क्यू किया जा चुका है।

दैनिक
विश्व परिवार
छत्तीसगढ़
रायपुर, शनिवार 05 सितम्बर 2026
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

आदिवासी नाबालिग की संदिग्ध मौत से मचा हडक़ंप

परिजनों ने अंतिम संस्कार से किया इनकार, दोबारा पोस्टमार्टम की मांग

सूरजपुर (विश्व परिवार)। जिले के भटगांव थाना क्षेत्र में एक आदिवासी नाबालिग किशोरी की संदिग्ध परिस्थितियों में मौत का मामला सामने आया है। किशोरी का शव कमरे में फ्रंदे पर लटका मिला था। पुलिस ने कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में पोस्टमार्टम कराने के बाद शव परिजनों को सौंप दिया, लेकिन परिजनों और समाज के लोगों ने मौत की परिस्थितियों पर संदेह जताते हुए अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। इसके बाद परिजन शव लेकर अंबिकापुर स्थित आईजी कार्यालय पहुंचे और मामले की निष्पक्ष जांच के साथ दोबारा पोस्टमार्टम कराने की मांग की। परिजनों ने किशोरी के साथ दुष्कर्म की आशंका भी जताई है। हालांकि, इसकी पुष्टि अभी नहीं हुई है।

कमरे में फ्रंदे पर लटका मिला था शव

मामला प्रतापपुर विकासखंड अंतर्गत ग्राम पंचायत करौंधा का बताया जा रहा है। जानकारी के मुताबिक नाबालिग किशोरी कुछ समय से अपने परिचित के घर रह रही थी और गांव के ही श्रवण जायसवाल के घर घरेलू काम करती थी।बताया गया कि 1 सितंबर की दोपहर खाना खाने के बाद किशोरी अपने कमरे में आराम करने चली गई थी। शाम तक जब वह कमरे से बाहर नहीं आई तो घरवालों ने उसकी तलाश शुरू की। कमरे में पहुंचने पर किशोरी फ्रंदे पर लटकी मिली।इसके बाद उसे फ्रंदे से नीचे उतारकर अस्पताल ले जाया गया, जहां डॉक्टरों ने उसे मृत घोषित कर दिया। सूचना मिलने पर पुलिस मौके पर पहुंची और कार्यपालिक मजिस्ट्रेट की मौजूदगी में शव का पोस्टमार्टम कराया।

20 हजार रुपये देने की बात से बढ़ा संदेह

किशोरी की मौत के बाद परिजनों और समाज के लोगों ने घटना की परिस्थितियों को लेकर सवाल उठाए हैं। बताया जा रहा है कि श्रवण जायसवाल द्वारा मृतका के परिजनों को 20 हजार रुपये दिए गए थे। इसी बात को लेकर परिजनों का संदेह और गहरा गया।

परिजनों ने शव का अंतिम संस्कार करने से इनकार कर दिया। मामले की जानकारी समाज के लोगों तक पहुंचने के बाद गुरुवार देर शाम परिजन और ग्रामीण शव लेकर अंबिकापुर स्थित आईजी कार्यालय पहुंच गए। इससे वहां कुछ देर तक गहमागहमी की स्थिति बनी रही।

आईजी ने सुनी परिजनों की बात

आईजी कार्यालय पहुंचने के बाद सरगुजा आईजी ने मृतका के परिजनों से मुलाकात कर उनकी बात सुनी। उन्होंने मामले की निष्पक्ष जांच का भरोसा दिलाया। परिजनों की मांग पर किशोरी के शव को मेडिकल कॉलेज की मर्चुरी में रखवाया गया है।बताया जा रहा है कि अब किशोरी के शव का दोबारा पोस्टमार्टम कराया जा सकता है। दोबारा पोस्टमार्टम और जांच के बाद ही मौत की वास्तविक परिस्थितियों को लेकर स्थिति स्पष्ट हो सकेगी।

आत्महत्या या मौत की दूसरी वजह, जांच में होगा खुलासा

फ्लिहाल पुलिस पूरे मामले की जांच कर रही है। किशोरी की मौत आत्महत्या थी या इसके पीछे कोई अन्य वजह थी, यह जांच और पोस्टमार्टम रिपोर्ट सामने आने के बाद ही स्पष्ट होगा।

परिजन फ्लिहाल अंतिम संस्कार करने के बजाय निष्पक्ष जांच और दोबारा पोस्टमार्टम की मांग पर अड़े हुए हैं। पुलिस जांच में सामने आने वाले तथ्यों और पोस्टमार्टम रिपोर्ट के आधार पर ही मामले की आगे की दिशा तय होगी।

शिक्षक दिवस पर मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय ने गुरुजनों के नाम लिखा आत्मीय पत्र

रायपुर (विश्व परिवार)। मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय ने शिक्षक दिवस (5 सितंबर) के अवसर पर प्रदेश के गुरुजनों के नाम आत्मीय पत्र लिखकर उन्हें सादर नमन किया है। मुख्यमंत्री श्री विष्णुदेव साय ने पत्र में अपने विद्यार्थी जीवन की स्मृतियों को साझा करते हुए बचपन के संघर्ष, उस दौर में शिक्षा प्राप्त करने की कठिनाइयों और आज शिक्षा के क्षेत्र में आए व्यापक बदलाव का भावपूर्ण उल्लेख किया है। उन्होंने शिक्षकों से आह्वान किया है कि वे प्रत्येक बच्चे के भीतर छिपी संभावनाओं को पहचानें और विशेष रूप से उन बच्चों का हाथ थामें, जो अभाव, संकोच अथवा किसी अन्य कारण से पीछे छूट रहे हैं।

मुख्यमंत्री श्री साय ने लिखा है कि आज मुख्यमंत्री के दायित्व का निर्वहन करते हुए जब उन्हें प्रदेश के बच्चों के भविष्य और उनकी शिक्षा से जुड़े निर्णय लेने का अवसर मिलता है, तब अपने बचपन और विद्यार्थी जीवन के वे दिन और अधिक याद आते हैं। जीवन कितना भी आगे बढ़ जाए, अपने शिक्षकों के प्रति आदर और कृतज्ञता का भाव कभी कम नहीं होता।

बगिया के छोटे से स्कूल से शुरू हुआ शिक्षा का सफर :- मुख्यमंत्री श्री साय ने पत्र में अपने बचपन को याद करते हुए बताया है कि उनका जन्म जशपुर जिले के बगिया गाँव के एक साधारण किसान परिवार में हुआ और गाँव के स्कूल से ही उनकी शिक्षा की शुरुआत हुई। जीवन ने बहुत छोटी उम्र में उनकी कठिन परीक्षा ली। जब वे लगभग दस वर्ष के थे और चौथी कक्षा में पढ़ रहे थे, तभी पिता का साया सिर से उठ गया। परिवार, खेती और छोटे भाइयों की चिंता कम उम्र में ही उनके जीवन का हिस्सा बन गई।गाँव में पाँचवीं तक पढ़ने के बाद आगे की शिक्षा के लिए उन्हें कुनकुरी जाना पड़ा। वहाँ लोयोला उच्चतर माध्यमिक विद्यालय में एक छोटे से कमरे में रहकर पढ़ाई की। आगे भी पढ़ने की इच्छा थी, लेकिन पारिवारिक परिस्थितियों के कारण शिक्षा का क्रम जारी नहीं रख सके। उन्होंने खेती की जिम्मेदारी संभाली और अपने छोटे भाइयों की पढ़ाई को आगे बढ़ाया। मुख्यमंत्री ने कहा कि उस समय गाँव के एक बच्चे के लिए शिक्षा तक पहुँचना आज जितना सहज नहीं था। विद्यालय दूर होते थे, आवागमन के साधन सीमित थे, पढ़ाई के संसाधनों का अभाव था और आर्थिक कठिनाइयाँ भी कई बच्चों के सपनों की राह में बाधा बन जाती थीं।

स्लेट-तख्ती से स्मार्ट क्लास तक:मुख्यमंत्री ने याद किया शिक्षा का बदलता दौर :- मुख्यमंत्री श्री साय ने अपने विद्यार्थी जीवन और वर्तमान शिक्षा व्यवस्था की तुलना करते हुए कहा कि आज पीछे मुड़कर देखने पर यह सुखद अनुभूति होती है कि शिक्षा की दुनिया कितनी बदल गई है। जिस समय उनकी पीढ़ी ने स्लेट, तख्ती और चॉक से पढ़ाई शुरू की थी, आज उसी छत्तीसगढ़ के बच्चे स्मार्ट क्लास में पढ़ रहे हैं। डिजिटल माध्यमों से दुनिया भर के ज्ञान तक उनकी पहुँच बनी है और वे विज्ञान एवं आधुनिक तकनीक से जुड़ रहे हैं।उन्होंने कहा कि कभी दूरस्थ अंचलों में विद्यालय तक पहुँचना भी बच्चों के लिए चुनौती हुआ करता था, वहीं आज इन क्षेत्रों में बेहतर विद्यालय, आधुनिक शैक्षणिक संसाधन और नए अवसर बच्चों के द्वार तक पहुँच रहे हैं।मुख्यमंत्री ने कहा कि शिक्षा में आए इस व्यापक परिवर्तन के बावजूद एक बात तब भी सत्य थी और आज भी उतनी ही सत्य है- शिक्षा का सबसे महत्वपूर्ण आधार शिक्षक ही है।तकनीक जानकारी दे सकती है, लेकिन शिक्षक ही बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाता हैमुख्यमंत्री श्री साय ने गुरुजनों की भूमिका को रेखांकित करते हुए कहा कि तकनीक बच्चों को जानकारी दे सकती है, पुस्तकें उन्हें ज्ञान दे सकती हैं और आधुनिक संसाधन सीखने की राह आसान कर सकते हैं, लेकिन किसी बच्चे के भीतर आत्मविश्वास जगाने, उसके संस्कार गढ़ने, उसकी प्रतिभा पहचानने और उसे एक अच्छा मनुष्य बनाने का सामर्थ्य एक संवेदनशील शिक्षक में ही होता है। उन्होंने कहा कि उनके अपने जीवन में भी गुरुजनों से मिली सीख ने कठिन परिस्थितियों में आगे बढ़ने का साहस दिया। यही कारण है कि वे शिक्षक को केवल पाठ पढ़ाने वाला नहीं, बल्कि जीवन की दिशा दिखाने वाला पथ-प्रदर्शक मानते हैं।

मुख्यमंत्री ने कहा कि राज्य सरकार का प्रयास है कि जिन अभावों और कठिनाइयों के कारण कभी किसी बच्चे की पढ़ाई रुक जाती थी, वे आज किसी बच्चे के सपनों के रास्ते में बाधा न बनें। कोई बच्चा केवल इसलिए पीछे न रह जाए कि उसका जन्म किसी छोटे

फसल रौंद कर हाथियों का दल पहुंचा लालडीह

कोरबा (विश्व परिवार)। कटघोरा वन मण्डल में हाथी समस्या खत्म होने का नाम ही नही ले रहा है। उल्टा और भी बढ़ता जा रहा है। यहां के पसान केंदई व जटगा रेंज में बड़ी संख्या में हाथी अलग अलग स्थानों पर घूम रहे है। तथा फसल को नुकसान पहुंचा रहे है। जिससे ग्रामीण काफी हलाकान है।

बीती रात जटगा रेंज के बासिंग परिसर में मौजूद 20 हाथियों का दल मातिन गावं में बड़ी मात्रा में फसल को रौंदने के बाद जटगा परिसर अंतर्गत लालडीह पहुंच गए और यहां के जंगह में डेरा जा दिए है। दल में नन्हा शावक भी शामिल है। जो हाल ही में जन्म लिया है। हाथियों के क्षेत्र में आने की सूचना मिलते ही संबंघित वन अमला सर्तक हो गया और हाथियों क निगरानी करने के साथ लालडीह व आसपास के लोग

गांव में मुनादी कराने जुट गया है। उधर केंदई रेंज के कापा नवा पारा तथा पसान रेंज के कनेरा क्षेत्र में हाथियों का झुड़ सक्रिय है। हाथियों का झुड़ क्षेत्र में खेतो में पहुंच कर वहां लगे धान की फसल को नुकसान पहुंचाया है।

जिले में अब तक 971 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज

बलौदाबाजार। जिले में चालू मानसून के दौरान 1 जून से 4 सितम्बर 2026 तक 971 मिलीमीटर औसत वर्षा दर्ज की गई है।भू-अभिलेख कार्यालय से मिली जानकारी के अनुसार अब तक तहसील टुण्डरा में 1187 मिमी, बलौदाबाजार में 1113.2मिमी, पलारी में 1044.3मिमी, लवन मे9.534 मिमी, सुहेला 907.1मिमी, सिमगा में 886.9 मिमी, कसडोल 919.6 मिमी, भाटापारा में 914.1 मिमी एवं सोनाखान 813.3 मिमी. वर्षा दर्ज की गई है। इस तरह कुल 8739.3मिमी वर्षा अभी तक दर्ज की गई है जिसकी औसत वर्षा 971 मिमी है।

ग्रामीण क्षेत्रों के विकास के लिए हमारी सरकार प्रतिबद्ध :वित्त मंत्री

रायपुर (विश्व परिवार)। वित्त मंत्री एवं रायगढ़ विधायक ओ.पी. चौधरी ने रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र के विभिन्न ग्रामों का भ्रमण कर विकास कार्यों का लोकार्पण एवं भूमिपूजन किया। उन्होंने कार्यक्रम को संबोधित करते हुए कहा कि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय के नेतृत्व में प्रदेश सरकार ग्रामीण क्षेत्रों के समग्र विकास के लिए प्रतिबद्धता के साथ कार्य कर रही है। ग्रामीणों की आवश्यकताओं और मांगों को प्राथमिकता देते हुए गांवों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार के लिए निरंतर विकास कार्य किए जा रहे हैं।

वित्त मंत्री चौधरी ने ग्राम घुटकूपाली में 15 लाख रुपए की लागत से प्राथमिक शाला भवन निर्माण तथा 7 लाख 60 हजार रुपए की लागत से पंचायत भवन के जीर्णोद्धार कार्य का भूमिपूजन किया। उन्होंने कहा कि शिक्षा एवं पंचायत स्तर की अधोसंरचना को मजबूत करने से ग्रामीण क्षेत्रों के विकास को नई गति मिलेगी। ग्राम पंचायत छपोरा में वित्त मंत्री चौधरी ने 10 लाख रुपए की लागत से निर्मित शेड का लोकार्पण किया। इसके साथ ही उन्होंने 1.13 लाख रुपए की लागत से आरसीसी पानी टंकी निर्माण, 31.55 लाख रुपए की लागत से मंगल भवन तथा 14.35 लाख रुपए की लागत से आंगनबाड़ी भवन निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इसी क्रम में ग्राम कांदागढ़ में उन्होंने 15 लाख रुपए की लागत से माध्यमिक शाला के अतिरिक्त कक्ष तथा 13.64 लाख रुपए की लागत से सांस्कृतिक मंच निर्माण कार्य का भूमिपूजन किया। इस दौरान उन्होंने ग्रामवासियों को विकास कार्यों की सौगात मिलने पर बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। इस अवसर पर पुसौर जनपद अध्यक्ष श्रीमती हेमलता हरिशंकर चौहान, जिला पंचायत सदस्य ब्रजेश गुप्ता सहित गणमान्य नागरिक, ग्राम के सरपंच और बड़ी संख्या में ग्रामीणजन उपस्थित थे।

वित्त मंत्री चौधरी ने ग्रामीणों को शासन की विभिन्न जनकल्याणकारी योजनाओं की जानकारी देते हुए पात्र हितग्राहियों से योजनाओं का अधिकतम लाभ लेने का आह्वान किया। उन्होंने कहा कि सरकार का उद्देश्य विकास की योजनाओं का लाभ गांव के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। ग्रामीण क्षेत्रों में शिक्षा, पेयजल, सामाजिक एवं सांस्कृतिक सुविधाओं सहित अन्य आधारभूत संरचनाओं के विकास पर विशेष ध्यान दिया जा रहा है। रायगढ़ विधानसभा क्षेत्र में अनेक छोटे-बड़े विकास कार्य प्राथमिकता के साथ संचालित किए जा रहे हैं। इन कार्यों का उद्देश्य आमजन की सुविधाओं का विस्तार करते हुए ग्रामीण क्षेत्रों को विकास की मुख्यधारा से और अधिक सशक्त रूप से जोड़ना है। उन्होंने कहा कि जनता की जरूरतों और मांगों के अनुरूप विकास कार्यों को गति देना सरकार की प्राथमिकता है और ग्रामीण क्षेत्रों के सर्वांगीण विकास के लिए यह प्रयास निरंतर जारी रहेंगे। वित्त मंत्री ओ.पी.चौधरी ने सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता को सर्वोच्च प्राथमिकता देने के निर्देश दिए। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि ग्रामीण क्षेत्रों में स्वीकृत एवं संचालित सभी निर्माण कार्यों में गुणवत्ता के साथ किसी भी प्रकार का समझौता नहीं किया जाएगा। उन्होंने अधिकारियों को निर्माण कार्यों की नियमित एवं सतत मॉनिटरिंग सुनिश्चित करने तथा निर्धारित मानकों के अनुरूप गुणवत्तापूर्ण कार्य पूर्ण कराने के निर्देश दिए।

ओबीसी के लिए अलग स्पष्ट कॉलम नहीं केंद्र की नीयत पर गंभीर सवाल :कांग्रेस

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि जनगणना-2027 में जाति की गणना शामिल करने का निर्णय लिया गया है, लेकिन जाति संबंधी जानकारी दर्ज करने की व्यवस्था में ओबीसी के लिए अलग और स्पष्ट वर्गीकरण नहीं होने पर गंभीर सवाल खड़े हो रहे हैं। केंद्र सरकार ने आगामी जनगणना में जातिगत आंकड़े जुटाने का निर्णय लिया है, जो लंबे समय से उठ रही सामाजिक न्याय की मांग की दिशा में महत्वपूर्ण कदम है। लेकिन यदि जाति की जानकारी खुले रूप में दर्ज की जाएगी और ओबीसी के लिए स्पष्ट पृथक वर्गीकरण नहीं होगा, तो ओबीसी समाज की वास्तविक जनसंख्या के आंकड़ों को व्यवस्थित और विश्वसनीय रूप से सामने लाने में गंभीर चुनौतियां पैदा हो सकती हैं।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि भारत जैसे विशाल और विविधतापूर्ण देश में अलग-अलग जातियों, उपजातियों और स्थानीय नामों के कारण जातिगत आंकड़ों का वैज्ञानिक वर्गीकरण बेहद महत्वपूर्ण है। जब सरकार खुद जातिगत आंकड़े जुटाने जा रही है, तो ओबीसी की स्पष्ट पहचान और वर्गीकरण की व्यवस्था क्यों नहीं की जा रही है? केंद्र सरकार को इस सवाल का जवाब देश के पिछड़े वर्गों को देना चाहिए।

प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि ओबीसी समाज को केवल चुनाव के समय याद करना और उसके अधिकारों के सवाल पर मौन रहना स्वीकार नहीं किया जा सकता। सामाजिक न्याय की नीतियों, आरक्षण, शिक्षा, रोजगार और सरकारी योजनाओं में प्रभावी भागीदारी के लिए यह जानना जरूरी है कि देश में विभिन्न सामाजिक वर्गों की वास्तविक जनसंख्या कितनी है।प्रदेश कांग्रेस के मुख्य प्रवक्ता सुरेन्द्र वर्मा ने कहा कि ओबीसी समाज अब केवल वोट बैंक नहीं, बल्कि अपने अधिकार, सम्मान और हिस्सेदारी का हिसाब चाहता है। केंद्र सरकार को इस मांग से बचने के बजाय स्पष्ट जवाब देना चाहिए।

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35083/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 04-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35083
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR654G0117A जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती ZARINA BANO पिता/पति, श्री/श्रीमती MOHAMMAD AFZAL ANSARI के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती MOHAMMAD SABIR पिता/पति श्री/श्रीमती S/O MO. SHARIF ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SHAPATH PATRA , PANCHNAMA OR MALMA BIKRINAMA / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35084/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 04-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35084
वार्ड का नाम- 62 शहीद राजीव पांडे वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 62 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR654J00021 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती SATISH KUMAR SONI पिता/पति, श्री/श्रीमती BHOLA RAM के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती ASLAM HUSAIN पिता/पति श्री/श्रीमती S/O AHMAD HUSAIN ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ SHAPATH PATRA , PANCHNAMA OR MALMA BIKRINAMA / अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35071/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35071
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR447C00161 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती 1. RAJESH KUMAR GOLCHHA S/O SONRAJ GOLCHHA, 2. REENU GOLCHHA पिता/पति, श्री/श्रीमती W/O RAJESH KUMAR GOLCHHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती JOGLEKAR MAITRA AND COMPANY THROUGH PARTNER SUJAY KUMAR GUPTA पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHUSHANT KUMAR GUPTA ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्रं.-6)
आई.एस.बी.टी. चतुर्थ तल, रावणभाठा, रायपुर
Email ID - rmczone6@gmail.com

पत्र क्रं./35074/न.पा.नि./जोन क्रं. 6/2026
रायपुर दिनांक : 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35074
वार्ड का नाम- 58 श. पंकज विक्रम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि 58 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी-आई.डी.- RPR443A00034 जो कि निगम अभिलेख में श्री/श्रीमती MOHAL LAL VALECHA पिता/पति, श्री/श्रीमती LATE. THAKUR DAS VALECHA के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती LAXMI NARAYAN LUHAR पिता/पति श्री/श्रीमती S/O SHIV PRASAD LUHAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, तो प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नही की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

सूचना जारी करें
श्री हितेन्द्र यादव
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रं. - 6
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35073/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35073
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802F00655 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती NARENDRA KUMAR CHANDRAKAR पिता/पति, श्री/श्रीमती JOHAN LAL CHANDRAKAR के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती SMT NIKITA KATHANE URF NIKITA CHANDRAKAR पिता/पति, श्री/श्रीमती SHREE NARENDRA KUMAR CHANDRAKAR ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत दानपत्र / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35072/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35072
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802K00215 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती DILIP KUMAR RAGASE पिता/पति, श्री/श्रीमती NAGO RAO RAGASE के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती RAVITA NIMESH पिता/पति, श्री/श्रीमती SURAJ NIMESH ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-8)
मोहबा बाजार, रायपुर
E-mail ID - rmczone8@gmail.com

पत्र क्र. /35026/ न.पा.नि./जोन क्र.-8/2026
रायपुर, दिनांक 03-09-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 35026
वार्ड का नाम- 2 - पं. जवाहर लाल नेहरू वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 2 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR802G01137 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती SANDHYA SINGH पिता/पति, श्री/श्रीमती RAM SINGH के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती BHIM MAHATO पिता/पति, श्री/श्रीमती RUPNARAYAN MAHATO ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख / वंशानुक्रम/अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्रीमती राजेश्वरी पटेल
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(8)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

कार्यालय नगर पालिक निगम, रायपुर (जोन क्र.-10)
अमलीडीह पानी टंकी, रायपुर
E-mail ID - rmczone10@gmail.com

पत्र क्र./34569/ न.पा.नि./जोन क्र.-10/2026
रायपुर, दिनांक 24-08-2026

इश्तिहार

नामांतरण प्र.क्र. 34569
वार्ड का नाम- 53 - बाबू जगजीवन राम वार्ड

एतद् द्वारा सूचित किया जाता है कि वार्ड 53 स्थित भवन/भूमि जिसका प्रॉपर्टी आई.डी. RPR651K01097 जो की निगम अभिलेख श्री/श्रीमती ARCHANA BAWANGADE पिता/पति, श्री/श्रीमती GYANESHWAR BAWANGAD के नाम से दर्ज है, जिसको श्री/श्रीमती AKSHAY VIJAY CHANDWANI पिता/पति, श्री/श्रीमती VIJAY CHANDWANI ने मृत्यु प्रमाण पत्र, सह पत्र, शपथ पत्र, दान पत्र, हिब्बानामा, रजिस्ट्री विलेख के अनुसार/ पंजीकृत विक्रय विलेख/ वंशानुक्रम/ अन्य अभिलेख द्वारा प्राप्त नगर पालिक निगम अधिनियम 1956 की धारा 167 के तहत द्वारा आवेदन किया है। यदि कोई व्यक्ति/संस्था उपरोक्त स्वामित्व परिवर्तन में हक या दावा रखते हैं, प्रकाशन के 15 दिन के भीतर प्रकरण क्रमांक सहित लिखित में अपना दावा/प्रस्तुत करें। निर्धारित समयावधि पश्चात प्राप्त दावा/आपत्ति पर किसी प्रकार की सुनवाई नहीं की जाएगी। जिसके लिए यह कार्यालय जिम्मेदार नहीं होगा।

-सूचना जारी करें-
श्री मोनेश्वर शर्मा
(जोन कमिश्नर)
जोन क्रमांक-(10)
नगर पालिक निगम, रायपुर (छ.ग.)

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 05 सितम्बर 2026

भगवान श्रीकृष्ण का जीवन हमें कर्तव्य, साहस, नीति, कर्म और लोककल्याण की प्रेरणा देता हैः बोहरा

■ जय श्रीकृष्ण के जयघोष से गूंजा पंडरिया, श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं दही हांडी प्रतियोगिता में उमड़ा उत्साह का जनसैलाब

कवर्धा (विश्व परिवार)। भगवान श्रीकृष्ण के जन्मोत्सव श्रीकृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर पंडरिया विधानसभा में भक्ति, उल्लास और भारतीय संस्कृति की जीवंत झलक देखने को मिली। विधायक भावना बोहरा के मार्गदर्शन में भारतीय जनता युवा मोर्चा, पंडरिया विधानसभा द्वारा पीएम श्री स्वामी आत्मानंद स्कूल मैदान, पंडरिया में श्रीकृष्ण जन्माष्टमी महोत्सव एवं भव्य दही हांडी प्रतियोगिता का आयोजन किया गया। आयोजन में पंडरिया, कुई-कुकदुर एवं दुल्लापुर मंडल की टोलियों ने दही हांडी प्रतियोगिता में भाग लिया जहाँ बड़ी संख्या में युवाओं एवं क्षेत्रवासियों ने उत्साहपूर्वक सहभागिता की और दही हांडी प्रतियोगिता ने पूरे परिसर को उत्साह और उमंग से भर दिया। इस दौरान पंडरिया, कुई-कुकदुर एवं दुल्लापुर मंडल से 15 टोलियों ने प्रतियोगिता में भाग लिया जिसमें ग्राम रौहा और ग्राम केसलीगोडान की टीम ने प्रथम स्थान, ग्राम मैनपुरा की टीम ने द्वितीय एवं स्टार गोल्ड पंडरिया की टीम ने तृतीय स्थान प्राप्त किया।

भगवान श्रीकृष्ण की आराधना और जयघोष के बीच आयोजित इस कार्यक्रम में युवाओं ने टीम भावना, साहस, अनुशासन और एकजुटता का शानदार परिचय दिया। दही हांडी फोड़ने के लिए प्रतिभागी टोलियों के बीच हुए रोमांचक मुकाबले ने उपस्थित लोगों को खूब उत्साहित किया। बड़ी संख्या में पहुंचे दर्शकों ने तालियों और जयकारों के साथ प्रतिभागियों का मनोबल बढ़ाया। कार्यक्रम में पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने दही हांडी प्रतियोगिता में शामिल सभी प्रतिभागी युवाओं से मुलाकात कर उनका उत्साह बढ़ाया और उनके प्रयासों की सराहना की। उन्होंने विजेता टीम को प्रथम पुरस्कार ?25,000 एवं ट्रॉफी, उपविजेता टीम को ?15,000 एवं ट्रॉफी तथा तृतीय स्थान प्राप्त करने वाली टीम को ?11,000 एवं ट्रॉफी भेंट कर सम्मानित किया। उन्होंने सभी प्रतिभागियों को बधाई देते हुए कहा कि प्रतियोगिता में जीत से अधिक महत्वपूर्ण युवाओं की सहभागिता, आपसी सहयोग और सामूहिक प्रयास की झलक महत्वपूर्ण है। यह एक प्रतियोगिता नहीं बल्कि हमारी भारतीय संस्कृति और परंपरा से जुड़ने का एक अवसर है जो हमें हमारी संस्कृति से जोड़ता है।

पंडरिया विधायक भावना बोहरा ने कहा कि भगवान श्रीकृष्ण का जीवन केवल आस्था का विषय नहीं, बल्कि कर्तव्य, साहस, नीति, कर्म और लोककल्याण की प्रेरणा भी देता है। जन्माष्टमी जैसे पर्व हमारी नई पीढ़ी को अपनी संस्कृति और परंपराओं से जोड़ने का सशक्त माध्यम हैं। दही हांडी प्रतियोगिता इसी सांस्कृतिक परंपरा का उत्साहपूर्ण स्वरूप है, जिसमें युवाओं की ऊर्जा को सकारात्मक दिशा मिलती है और टीमवर्क, अनुशासन एवं नेतृत्व जैसे गुणों का विकास होता है। पंडरिया विधानसभा में विकास की गति के साथ क्षेत्र की धार्मिक, सांस्कृतिक और सामाजिक विरासत को सहेजने तथा उत्सवों को जनभागीदारी से जोड़ने का प्रयास भी निरंतर किया जा रहा है। ऐसे आयोजन समाज के विभिन्न वर्गों को एक साथ लाने का कार्य करते हैं। जब युवा अपनी परंपराओं और संस्कृति के उत्सवों में बढ़-चढ़कर भाग लेते हैं, तो यह हमारी सांस्कृतिक विरासत के मजबूत भविष्य का संकेत होता है।

लक्ष्मी राजवाड़े की संवेदनशील पहलः आवेदन के 48 घंटे के भीतर दिव्यांग विष्णु लाल यादव को मिली इलेक्ट्रिक स्कूटी

■ अस्पताल आने-जाने की परेशानी हुई दूर, त्वरित सहायता से दिव्यांगजन को मिला आवागमन का सहारा

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने दिव्यांगजन की समस्या पर त्वरित संवेदनशीलता दिखाते हुए आवेदन के महज 48 घंटे के भीतर सहायता उपलब्ध कराई। सूरजपुर जिले के ग्राम तेलईकछार निवासी दिव्यांग श्री विष्णु लाल यादव को उनकी आवश्यकता को देखते हुए विशेष तीन पहिया इलेक्ट्रिक स्कूटी उपलब्ध कराई गई।

श्री विष्णु लाल यादव ने मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े को दिए आवेदन में बताया था कि पिछले वर्ष रायपुर जाते समय वे बस दुर्घटना का शिकार हो गए थे। दुर्घटना में गंभीर रूप से घायल होने के बाद वे दिव्यांग हो गए। आर्थिक स्थिति कमजोर होने के कारण वे स्वयं स्कूटी खरीदने में सक्षम नहीं थे।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े के संज्ञान में मामला आते ही उन्होंने तत्काल सहायता के निर्देश दिए। निर्देशों के बाद संबंधित विभाग द्वारा आवश्यक कार्रवाई करते हुए महज दो दिनों में विष्णु लाल यादव को तीन पहिया इलेक्ट्रिक स्कूटी उपलब्ध करा दी गई।

स्कूटी मिलने से विष्णु लाल यादव को अब अस्पताल जाने, उपचार कराने तथा रोजमर्रा के आवश्यक कार्यों के लिए आवागमन में सुविधा मिलेगी। उन्होंने सहायता के लिए मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े के प्रति आभार व्यक्त किया।

कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने ली नगर पालिका निगम एवं नगरीय निकाय की समीक्षा बैठक

■ कलेक्टर ने पीएम आवास (शहरी) के कार्यों में प्रगति लाएं

रायपुर (विश्व परिवार)। कलेक्टर डॉ. गौरव सिंह ने कलेक्ट्रेट परिसर स्थित सभाकक्ष में नगर पालिका निगम के सभी जोन कमिश्नरों एवं नगर पालिका के सीएमओ की समीक्षा बैठक ली।

कलेक्टर डॉ. सिंह ने सीएम हेल्पलाइन में लंबित शिकायतों की समीक्षा करते हुए सभी शिकायतों का संतुष्टिपूर्ण एवं समय-सीमा में निराकरण करने के निर्देश दिए। 15वें वित्त आयोग के अंतर्गत स्वीकृत एवं प्रगतिरत कार्यों की समीक्षा करते हुए कार्यों में तेजी लाकर गुणवत्तापूर्ण तरीके से पूर्ण करने को कहा।

उन्होंने प्रधानमंत्री आवास योजना (शहरी) के अंतर्गत निर्माणाधीन आवासों की प्रगति की समीक्षा की और सभी लंबित कार्यों को जल्द से जल्द पूर्ण करने के निर्देश दिए। स्वच्छ भारत मिशन, अमृत मिशन एवं जलप्रदाय योजना के कार्यों की भी समीक्षा की गई। पीएम स्वनिधि योजना के तहत पात्र हितग्राहियों को लाभान्वित करने तथा नगरीय निकायों में राजस्व वसूली में वृद्धि हेतु विशेष प्रयास करने के निर्देश दिए।

इस अवसर पर नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा, नगर निगम बिरगांव के आयुक्त श्री युगल किशोर उर्वशा सहित जिला एवं निगम के अन्य अधिकारी उपस्थित रहे।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष वर्ग टीम लगातार दूसरी बार बनी क्रॉस कंट्री चैंपियन

■ व्यक्तिगत स्पर्धा में हरीश ने हासिल किया दूसरा स्थान, विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए भी चयनित

बिलासपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे ने खेलों के क्षेत्र में एक बार फिर शानदार प्रदर्शन करते हुए 57वीं अखिल भारतीय अंतर-रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप 2026 में पुरुष वर्ग का खिताब लगातार दूसरी बार अपने नाम किया है। यह प्रतियोगिता दक्षिण पश्चिम रेलवे (SWR) स्पोर्ट्स एसोसिएशन, हुब्बली, कर्नाटक द्वारा आयोजित की गई, जिसमें दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष एवं महिला टीमों ने उत्साहपूर्वक भाग लिया।

दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की पुरुष टीम ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए प्रथम स्थान प्राप्त कर अपना चैंपियन खिताब बरकरार रखा। विजेता टीम में हरीश, प्रिंस राज यादव, प्रिंस राज मिश्रा, अंकित देसवाल, रवि एवं दिनेश ने दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे का प्रतिनिधित्व किया। व्यक्तिगत स्पर्धा में हरीश ने दूसरा तथा प्रिंस राज यादव ने पांचवां स्थान हासिल करते हुए टीम की जीत में महत्वपूर्ण योगदान दिया।

महिला वर्ग में भी दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे की खिलाड़ियों ने शानदार प्रदर्शन किया। मुन्नी देवी, अंजली पटेल, निकिता लांबा, हिमांशी मलिक एवं शोभा यादव की टीम ने प्रतियोगिता में पांचवां स्थान प्राप्त किया। इस शानदार उपलब्धि पर दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के महाप्रबंधक श्री तरुण प्रकाश, दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे क्रीड़ा संघ के पदाधिकारियों तथा अधिकारियों ने सभी खिलाड़ियों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने खिलाड़ियों के उत्कृष्ट प्रदर्शन की सराहना करते हुए आगामी प्रतियोगिताओं में भी इसी तरह शानदार प्रदर्शन करने के लिए प्रोत्साहित किया।

उल्लेखनीय है कि दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के धावक श्री हरीश का चयन विश्व रेलवे क्रॉस कंट्री चैंपियनशिप के लिए भी हुआ है। उनकी इस उपलब्धि पर भी क्रीड़ा संघ एवं दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे परिवार ने उन्हें अग्रिम शुभकामनाएं दी हैं।

डबल इंजन सरकार में छत्तीसगढ़ का युवा बेरोजगारः दीपक बैज

■ सरकारी वैकेंसी में ताला, उद्योगों में छंटनी का 'बुलडोजर'

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि भाजपा ने 'मोदी की गारंटी' के नाम पर युवाओं को 1 लाख सरकारी नौकरियों का सपना दिखाया था। 100 दिन में अनियमित कर्मचारियों के नियमितीकरण का वादा था, हकीकत यह है कि पीएससी, व्यापम और शिक्षक भर्ती जैसी संस्थाएं ठप पड़ी हैं, अनियमित कर्मचारियों को नौकरी से निकाल जा रहा है, हजारों विद्या मितान, अतिथि शिक्षक, संविदा कर्मचारी, रसोईया, सफाई कर्मचारियों की सेवा समाप्त कर दी गई। नए पद सृजित करना तो दूर, स्वीकृत पदों पर भी भर्ती नहीं हो रही है। आज छत्तीसगढ़ का युवा आक्रोशित है, भाजपा की सरकार में ठगा हुआ और महसूस कर रहा है। सत्ता में आने से पहले भाजपा ने हर साल लाखों सरकारी नौकरियों और स्थानीय रोजगार का सपना दिखाया था, लेकिन आज हकीकत यह है कि सरकारी विभागों में वेकंसी पर ताला लगा है, भर्ती परीक्षाएं ठप हैं, और जो निजी उद्योग छत्तीसगढ़ के संसाधनों का दोहन कर रहे हैं, वे हमारे स्थानीय युवाओं की छंटनी कर रहे हैं। आउटसोर्सिंग के नाम पर छत्तीसगढ़ी युवाओं के हक को बाहरी लोगों को बेचा जा रहा है। विष्णुदेव साय सरकार रोजगार देने में पूरी तरह नाकाम साबित हुई है।

प्रदेश कांग्रेस अध्यक्ष दीपक बैज ने कहा है कि सरकार की युवा विरोधी नीतियों के चलते छत्तीसगढ़ में बेरोजगारी बेकाबू हो चुकी है, सरकारी भर्ती पर ताला लगा है, निजी उद्योगों में छंटनी और बाहरी कामगारों का आउटसोर्सिंग करके छत्तीसगढ़ के युवाओं के हक पर डकैती डाल रहे हैं।

एमसीबी में आज से 'सेवा संकल्प अभियान', डॉक्टरों की टीम लगाएगी स्वास्थ्य शिविर

■ स्वास्थ्य मंत्री श्याम बिहारी जायसवाल खडग़वां से करेंगे मेगा स्वास्थ्य शिविर की आगाज

एमसीबी (विश्व परिवार)। जिले में आम नागरिकों को बेहतर और गुणवत्तापूर्ण स्वास्थ्य सुविधाएं उपलब्ध कराने के उद्देश्य से 'सशक्त एमसीबी सेवा संकल्प अभियान-2026' का आयोजन किया जा रहा है। जिला मुख्य चिकित्सा एवं स्वास्थ्य अधिकारी कार्यालय द्वारा जारी आदेश के अनुसार अभियान 5 सितंबर से 2 अक्टूबर 2026 तक चलेगा। अभियान की परिकल्पना 'हर गांव-हर घर-हर व्यक्ति तक स्वास्थ्य सेवाएं' पहुंचाने की है।

अभियान के तहत जिले के विभिन्न क्षेत्रों में निर्धारित कार्यक्रम के अनुसार विशेष स्वास्थ्य शिविर आयोजित किए जाएंगे। इन शिविरों में आम नागरिकों को नि:शुल्क स्वास्थ्य जांच, आवश्यक दवाइयां, सामान्य बीमारियों की प्रारंभिक जांच, स्क्रीनिंग तथा चिकित्सकीय परामर्श उपलब्ध कराया जाएगा।

इन सेवाओं पर रहेगा विशेष जोर

शिविरों में मातृ एवं शिशु स्वास्थ्य सेवाओं के तहत गर्भवती महिलाओं की एएनसी जांच, प्रसव पूर्व एवं प्रसव पश्चात सेवाएं तथा बच्चों की स्वास्थ्य जांच की जाएगी। वहीं बीपी, शुगर, कैंसर सहित गैर-संचारी रोगों की स्क्रीनिंग और जीवनशैली से जुड़ी बीमारियों के संबंध में परामर्श भी दिया जाएगा।

इसके अलावा रक्त, मलेरिया, सिकल सेल, एचआईवी/वायरल मार्कर सहित आवश्यक जांच की जाएगी। बुजुर्गों के लिए विशेष स्वास्थ्य सेवाएं, फिजियोथेरेपी एवं पुनर्वास संबंधी सुविधाएं भी उपलब्ध कराई जाएंगी। जरूरत के अनुसार मरीजों को विशेषज्ञ चिकित्सकों से परामर्श दिलाने तथा आगे के उपचार के लिए उचित स्वास्थ्य संस्थान तक पहुंचाने की व्यवस्था रहेगी। शिविरों में पात्र हितग्राहियों के आयुष्मान कार्ड और आभा आईडी बनाने का कार्य भी किया जाएगा, ताकि लोगों को स्वास्थ्य योजनाओं का लाभ आसानी से मिल सके। जारी आदेश के अनुसार अभियान के तहत पहला विशेष स्वास्थ्य शिविर 5 सितंबर 2026 को सामुदायिक स्वास्थ्य केंद्र खडग़वां में आयोजित किया जाएगा।

गली-गली में फैल चुका है अवैध नशे का कारोबार : वंदना राजपूत

■ नाबालिक और युवाओं में महामारी का रूप ले चुका है नशाखोरी

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि भाजपा की सरकार में छत्तीसगढ़ में अवैध नशाखोरी महामारी का रूप ले चुका है, कमीशनरी प्रणाली लागू होने के बाद भी क्राइम बढ़ रहा है। न ही अवैध नशे पर लगाम लग पा रहा है। युवा और नाबालिक बुरी तरह से सुख नशे के चपेट में आ चुके हैं, बड़े शहरों के आउटर संचालित कैफे, फार्महाउस और बार में अवैध नशे का जमकर कारोबार हो रहा है। गांजा, अफीम, चरस, कोकीन, हेरोइन, एमडीएमए, स्मैक, ब्राउन शुगर से लेकर कफ सिरप, नाइट्रोटेन, अल्प्राजोलम, चंदागोली खुलेआम बिक रहा है।

प्रदेश कांग्रेस की मुख्य प्रवक्ता वंदना राजपूत ने कहा कि नशे के बढ़ते कारोबार के कारण ही प्रदेश में अपराध बढ़ रहे हैं। लूटमार, हत्या, चोरी, डकैती और महिलाओं के खिलाफ होने वाले अपराध पिछले दो सालों में कई गुना बढ़ा है, जिसका असल कारण नशाखोरी ही है। गुजरात का मुद्रा पोर्ट दुनिया भर में अवैध ड्रग्स के कारोबार का मुख्य केंद्र बना हुआ है, हजारों करोड़ के ड्रग्स अफगानिस्तान से पाकिस्तान होकर मुंद्रापोर्ट के रास्ते पूरे देश में फैल रहे हैं। एक साल पहले राजधानी रायपुर के गंज थाने में विशाल कुमार नाम के एक फर्जी आईबी अधिकारी की गिरफ्तारी हुई थी, प्रशासन का दावा था कि सैकड़ों ड्रग पैडलरों की सूची आरोपी से बरामद हुई है, लेकिन भाजपाइयों के नाम उजागर होने के डर से पूरा मामला दबा दिया गया।

गीता भवन से निकली भव्य शोभायात्रा, पुष्पवर्षा व जयकारों से भक्तिमय हुआ शहर

■ गोपी गीत में छलका गोपियों का कृष्ण-विरह, कंस वध के साथ रुक्मिणी विवाह प्रसंग ने श्रद्धालुओं को बांधा

जगदलपुर (विश्व परिवार)। पंजाब सनातन धर्म सभा, महिला सत्संग समिति एवं युवा समिति के संयुक्त तत्वावधान में पंजाब भवन में चल रही श्रीमद्भागवत कथा के छठवें दिन कथा व्यास आचार्य अमर कृष्ण शुक्ल ने भगवान श्रीकृष्ण की बाल लीलाओं से लेकर गोपी प्रेम, गोपी गीत, कंस वध तथा रुक्मिणी विवाह तक के प्रसंगों का भावपूर्ण वर्णन किया। कथा के दौरान श्रद्धालु भगवान श्रीकृष्ण की भक्ति में भावविभोर नजर आए।

गोपी गीत में छलका कृष्ण-विरह

आचार्य अमर कृष्ण शुक्ल ने गोपी गीत का प्रसंग सुनाते हुए भगवान श्रीकृष्ण के प्रति गोपियों के निष्काम प्रेम और उनके विरह की व्यथा का भावपूर्ण वर्णन किया। उन्होंने बताया कि गोपियों के लिए श्रीकृष्ण केवल प्रियतम नहीं, बल्कि उनके जीवन के आधार और परम आराध्य थे। रासलीला के दौरान जब भगवान श्रीकृष्ण अंतर्धान हुए तो गोपियों का विरह और अधिक गहरा हो गया। वे भगवान को खोजते हुए उनकी लीलाओं और गुणों का स्मरण करने लगीं। आचार्य ने बताया किगोपियों के प्रेम में किसी प्रकार का स्वार्थ नहीं था। उनका मन, वचन और कर्म पूरी तरह कृष्णमय था। उन्होंने श्रद्धालुओं को संदेश दिया कि सच्ची भक्ति में अहंकार, स्वार्थ और सांसारिक मोह का त्याग कर भगवान के प्रति पूर्ण समर्पण आवश्यक है।

कंस के अत्याचार का हुआ अंत

कथा में आगे भगवान श्रीकृष्ण के मथुरा गमन और कंस वध का प्रसंग सुनाया गया। आचार्य ने बताया कि कंस अपने भय, अहंकार और अत्याचार के कारण निरंतर अधर्म के मार्ग पर बढ़ता गया।

संत रविदास के विचार सामाजिक एकता की अमूल्य धरोहरः पुरन्दर मिश्रा

■ संत रविदास की वाणी में समरस समाज का संकल्प, 20 मंडलों तक पहुंची जन्मभूमि की पावन मिट्टी

■ समरसता संकल्प अभियान के तहत एकात्म परिसर में हुआ कलश वंदन कार्यक्रम

रायपुर (विश्व परिवार)। संत शिरोमणि रविदास जी के 650वें जयंती वर्ष के अवसर पर प्रदेश भाजपा द्वारा चलाए जा रहे 'समरसता संकल्प अभियान' के अंतर्गत गुरुवार को रजबंधा मैदान स्थित भाजपा कार्यालय एकात्म परिसर में श्रद्धा और सामाजिक समरसता से ओतप्रोत कलश वंदन कार्यक्रम आयोजित किया गया। कार्यक्रम में विधानसभा के पूर्व अध्यक्ष एवं वरिष्ठ भाजपा नेता धरमलाल कौशिक मुख्य अतिथि के रूप में शामिल हुए। इस अवसर पर रायपुर शहर जिला के सभी 20 मंडलों को संत रविदास जी के जन्मस्थान की पावन मिट्टी से युक्त कलश वितरित किए गए।

कार्यक्रम में रायपुर उत्तर विधायक पुरन्दर मिश्रा ने संत रविदास जी को नमन करते हुए कहा कि उनका संपूर्ण जीवन समानता, सामाजिक समरसता, भाईचारे और मानवता की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि संत रविदास जी ने अपने विचारों और वाणी के माध्यम से समाज में व्याप्त भेदभाव, ऊंच-नीच और असमानता की भावना को चुनौती दी तथा प्रत्येक मनुष्य को सम्मान और समान अधिकार के साथ देखने का संदेश दिया।

पुरन्दर मिश्रा ने कहा कि संत रविदास जी का संदेश किसी एक वर्ग तक सीमित नहीं है, बल्कि वह सम्पूर्ण मानव समाज के लिए मार्गदर्शक है। उनके विचार आज भी समाज को जोड़ने, आपसी सद्भाव बढ़ाने और सामाजिक कुरीतियों को दूर करने की दिशा में उतने ही महत्वपूर्ण हैं। उनके जीवन से हमें यह प्रेरणा मिलती है कि समाज की वास्तविक शक्ति आपसी सम्मान, सहयोग और भाईचारे में निहित है।

उन्होंने कहा कि 'समरसता संकल्प अभियान' महज एक आयोजन नहीं, बल्कि सामाजिक एकता को मजबूत करने का व्यापक संकल्प है। संत रविदास जी की जन्मभूमि से लाई गई पावन मिट्टी को कलश के माध्यम से रायपुर के 20 मंडलों तक पहुंचाना अपने आप में श्रद्धा, एकता और समरसता का संदेश है। यह कलश केवल मिट्टी का पात्र नहीं, बल्कि संत रविदास जी के विचारों, संघर्ष और मानवतावादी दर्शन को जन-जन तक पहुंचाने का माध्यम है।

विधायक श्री मिश्रा ने कहा कि आज आवश्यकता है कि नई पीढ़ी संत रविदास जी के जीवन और उनके विचारों को जाने, समझे और अपने आचरण में उतारे। सामाजिक समरसता तभी मजबूत होगी, जब समाज का प्रत्येक व्यक्ति भेदभाव से ऊपर उठकर एक-दूसरे के सम्मान और अधिकारों को स्वीकार करेगा। संत रविदास जी का जीवन हमें इसी दिशा में आगे बढ़ने की प्रेरणा देता है। उन्होंने कहा कि भाजपा का यह अभियान 'सबका साथ, सबका सम्मान और सामाजिक समरसता' की भावना को मजबूत करने वाला अभियान है।

प्रकाशक, मुद्रक, स्वामी प्रियेश कुमार जैन द्वारा आसमां पब्लिसर्स इंडिया प्रा.लि. पंजाब नेशनल बैंक के सामने, जयस्तंभ चौक, रायपुर से मुद्रित एवं ओलंपस जिम के पीछे, सेक्टर-1, शंकर नगर रायपुर (छ.ग.) से प्रकाशित। संपादक : प्रदीप कुमार जैन, फोन नं. : 0771- 4017966, मो.- 9981924252 RNI.NO.CHHHIN/2013/50354

दैनिक
विश्व परिवार

विचार-पक्ष

रायपुर, शनिवार 05 सितंबर 2026

www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com

संपादकीय

प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई...

2001-20 में भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा सिर्फ पांच घरानों के हाथ में गया। रिलायंस, अडानी, बिड़ला, जिंदल और टाटा- समूहों का अब कॉरपोरेट राजस्व पर असाधारण नियंत्रण है। बीती चौथाई सदी (1991 से) में अपनाई गई आर्थिक नीतियों का सार है कि इनके परिणामस्वरूप अर्थव्यवस्था पर पांच बड़े औद्योगिक घरानों का वर्चस्व कायम हो गया है। 2001 से 2020 भारत में हुई कुल कारोबारी आय का 60 प्रतिशत हिस्सा उन्हीं पांच घरानों के हाथ में गया। उसके बाद ये रुझान और मजबूत ही हुआ है। चार अर्थशास्त्रियों द्वारा तैयार और वर्ल्ड बैंक इकोनॉमिक रिव्यू में प्रकाशित वर्किंग पेपर बिजनेस ग्रुप्स, कंसंट्रेशन एंड मार्केट पावर इन इंडिया के मुताबिक रिलायंस, अडानी, बिड़ला (आदित्य), ओपी जिंदल और टाटा- समूहों का कॉरपोरेट राजस्व और आर्थिक शक्ति पर असाधारण नियंत्रण बन चुका है। अध्ययनकर्ता इस निष्कर्ष पर पहुंचे हैं कि 1991 के बाद लाइसेंस राज खत्म होने, सार्वजनिक क्षेत्र के लिए आर्थिक क्षेत्रों को आरक्षित रखने का चलन घटने, कंपनियों का अधिग्रहण एवं विलय आसान होने, व्यापार एवं विदेशी मुद्रा निवेश के लिए नियमों को आसान बनाए जाने, तथा नया प्रतिस्पर्धा अधिनियम अस्तित्व में आने से आरंभिक दिनों में उद्यमों के बीच प्रतिस्पर्धा तीव्र हुई। लेकिन पारिवार आधारित बड़े कारोबारी घराने जल्द ही अपने संपर्कों के जरिए अधिक लाभ उठा सकने की हैसियत में पहुंच गए। 'राष्ट्रीय चैंपियन' (बड़े घरानों को सरकारी प्राथमिकता देने) की नीति अपनाने के बाद (मुख्यत: नरेंद्र मोदी राज में) यह परिघटना और मजबूत हो गई। 2020 आते-आते शीर्ष 25 पारिवारिक व्यापार समूहों का राजस्व भारत की जीडीपी के 15 प्रतिशत से अधिक हो गया था। वैसे, 2010-11 की सबसे बड़े समूहों की रैंकिंग पर ध्यान दें, तो साफ होता है कि तब से इसमें बहुत कम बदलाव हुए हैं। यह बाजार पर चंद घरानों के दीर्घकालिक वर्चस्व का उदाहरण है। वर्किंग पेपर के मुताबिक पहले अत्यधिक वर्चस्व रखने वाले सार्वजनिक/ सरकारी क्षेत्र के प्रभाव में सिकुड़न आने से आरंभ में समग्र बाजार संकेंद्रण घटा। लेकिन जल्द ही बड़े औद्योगिक घरानों ने ज्यादातर खुले नए क्षेत्रों में प्रवेश कर लिया। यह निष्कर्ष आम अनुभव और पहले हुए अध्ययनों के नतीजों के अनुरूप ही है। यह स्थिति बताती है कि क्यों भारतीय अर्थव्यवस्था तीव्र वृद्धि दर हासिल करने के बावजूद आम जन की बुनियादी आर्थिक जरूरतों को पूरा नहीं कर पा रही है।

शिक्षक गढ़ते कल का भारत....

श्रीमती द्रौपदी मुर्मु

शिक्षक नियति-निर्माता होते हैं। करोड़ों विद्यार्थियों के जीवन में विद्या, कौशल, नैतिकता और प्रेरणा का संचार करने वाले शिक्षकों के प्रति सभी देशवासियों की ओर से, 'शिक्षक दिवस' के अवसर पर, मैं कृतज्ञता व्यक्त करती हूं। यह सर्वविदित है कि हमारे देश के द्वितीय राष्ट्रपति डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन चाहते थे कि उनका जन्मदिन 'शिक्षक दिवस' के रूप में मनाया जाए। वे विश्वविख्यात विद्वान, लेखक और स्टेट्समैन थे, लेकिन शिक्षक की भूमिका को उन्होंने सबसे महत्वपूर्ण माना। अत्यंत लोकप्रिय पूर्व राष्ट्रपति डॉ. ए.पी.जे. अब्दुल कलाम से एक बार पूछा गया कि उन्हें लोग एक वैज्ञानिक के रूप में याद करेंगे या राष्ट्रपति के रूप में। कलाम साहब ने उत्तर दिया कि वे चाहेंगे कि उन्हें एक शिक्षक के रूप में याद किया जाए। शिक्षक श्रद्धेय हों और विद्यार्थी श्रद्धालु हों, यही हमारा आदर्श रहा है। हमारे प्राचीन ग्रन्थों में कहा गया है कि शिक्षक विद्यार्थियों से अपनी संतान की तरह प्यार करें, उनसे भेदभाव रहित समानता का व्यवहार करें, उन पर क्रोध न करें, धैर्यवान हों, विद्यार्थियों के कल्याण पर दृष्टि केन्द्रित रखें तथा उनकी ग्रहणशक्ति के अनुसार शिक्षा प्रदान करें। ऐसे शिक्षकों के प्रति सम्मान के भाव से ही लगभग तीन हजार वर्ष पहले, तैत्तिरीय उपनिषद की शिक्षावल्ली में 'आचार्यदेवो भव' का संदेश दिया गया है। सौभाग्य से अपने विद्यार्थी जीवन में मुझे बहुत अच्छे और स्नेही शिक्षकों का मार्गदर्शन मिलता रहा। हमारी टीचर्स, स्कूल की छुट्टी के बाद भी, कभी-कभी अपने घर में ही हमें पढ़ाती थीं और हमारी देख-भाल भी करती थीं। सातवीं कक्षा के बाद, अपने गांव से बाहर जाकर पढ़ाई करने वाली मैं पहली छात्रा थी। आगे की पढ़ाई के दौरान भुवनेश्वर में भी, मुझे शिक्षकों का भरपूर स्नेह और मार्गदर्शन मिलता रहा। अपने शिक्षकों का विनम्रतापूर्वक उल्लेख मैंने यह बताने के लिए किया है कि स्नेही और समर्पित शिक्षक विद्यार्थियों में असीम क्षमता और प्रेरणा का संचार करते हैं। इससे शक्ति पाकर, विद्यार्थियों में किसी भी

चुनौती का सामना करने का साहस और बड़े से बड़े लक्ष्य को प्राप्त करने का उत्साह बना रहता है। मैं मानती हूं कि शिक्षक पाठ्यक्रम तो पढ़ाते ही हैं, अपनी गतिविधियों से, विद्यार्थियों को जीने की कला भी सिखाते हैं। इस प्रकार, शिक्षक अपने विद्यार्थियों के मार्गदर्शक तो होते ही हैं, उनके शुभचिंतक, मित्र और सहयात्री भी होते हैं। श्रेष्ठ शिक्षक की विशेषता के बारे में हमारी संस्कृति एवं परंपरा में प्राचीन काल से चले आ रहे विचार आज भी पूर्णत: प्रासंगिक हैं। सदियों पहले, अपने नाटक 'मालविकाग्निमित्रम्' में महाकवि कालिदास कहते हैं कि जिस अध्यापक में प्रचुर ज्ञान हो तथा उस ज्ञान को समझाने की क्षमता भी हो, वही अच्छा शिक्षक होता है। एक लोकप्रिय संस्कृत सुभाषित में कहा गया है: 'सर्वत्र विजयम् इच्छेत् शिष्यात् इच्छेत् पराजयम्'। इसका आशय यह है कि सर्वत्र विजय की कामना करनी चाहिए परंतु शिष्य से पराजय की इच्छा होनी चाहिए। विद्यार्थियों में स्वतंत्र चिंतन को प्रोत्साहित करना, जिज्ञासा उत्पन्न करना, प्रश्न करने की प्रवृत्ति को बढ़ावा देना, तर्क-शक्ति का विकास करना तथा उनके स्वतंत्र व्यक्तित्व के निर्माण में योगदान देना शिक्षण कार्य के प्रेरक और उपयोगी आयाम हैं। ऐसी प्रेरक शिक्षा से ही सफल उद्यमी, प्रतिभाशाली वैज्ञानिक, सृजनशील कलाकार और चुनौतियों के नवीन समाधान प्रस्तुत करने वाले नागरिकों की पीढ़ियां तैयार होंगी। शिक्षण कर्म केवल एक वृत्ति नहीं है, एक व्रत है। यह केवल व्यवसाय या नौकरी नहीं है, अपितु मानवता के निर्माण का पवित्र कार्य है। यह भावी पीढ़ियों के लिए मार्ग प्रशस्त करने का सत्कार्य है। शिक्षाकार्य से जुड़ी स्मृतियां मुझे विशेष संतोष देती हैं। मैंने ओड़िशा के राइरंगपुर में स्थित 'श्री ऑरोबिंदो इंटीग्रल स्कूल' में बच्चों को पढ़ाया है। विभिन्न विषयों को पढ़ाने के अलावा मैं बच्चों के साथ संगीत, खेल-कूद और नाटक की तैयारियों में पूरे मन से उनकी सहायता करती थी। बच्चों के साथ स्वतन्त्रता दिवस और गणतन्त्र दिवस की तैयारी और उन समारोहों में उनके उत्साह को याद करके आज भी मुझे रोमांच होता है। विद्यार्थियों को सुंदर प्राकृतिक स्थलों पर पिकनिक के लिए ले जाना तथा खेल-खेल में उन्हें जीव-जंतुओं और पेड़-पौधों के बारे में जानकारी देना मुझे बहुत सार्थक लगता था। स्कूल की शिक्षा पूरी करने के बरसों बाद भी मेरे विद्यार्थी मुझे अपने पारिवारिक उत्सवों में बुलाते रहे हैं। मुझे अपने अनेक विद्यार्थियों के नाम तो याद हैं ही, उनको पुकारने के उपनाम भी मुझे आज तक याद हैं। मैंने जिन बच्चों को पढ़ाया है, उनसे बहुत कुछ सीखा भी है। मैं समझती हूं कि बच्चों की सहजता और जिज्ञासा सभी शिक्षकों को बहुत कुछ सिखाती है। राष्ट्रपति के रूप में अपने कार्यकाल का दूसरा वर्ष पूरा होने के अवसर पर मैंने राष्ट्रपति भवन परिसर में स्थित स्कूल के विद्यार्थियों को पर्यावरण संरक्षण के विषय पर पढ़ाया और उनसे बातचीत की। मेरा प्रयास रहता है कि मैं विद्यार्थियों से मिलूं और उनके विचारों को समझूं। उनकी बातें मेरे ध्यान में बनी रहती हैं। लगभग ग्यारह वर्ष पहले, मैंने गांव के अपने निवास-स्थान में एक आवासीय विद्यालय की स्थापना की थी। उस विद्यालय में अनाथ तथा वंचित परिवारों के बच्चे शिक्षा प्राप्त करते हैं। उन बच्चों से मिलने मैं वहां जाती रहती हूं। इस वर्ष 20 जून को अपने जन्मदिन पर उन बच्चों से मिलकर मुझे बहुत प्रसन्नता हुई। उस दिन मेरे साथ प्रधानमंत्री श्री नरेंद्र मोदी जी ने भी उस विद्यालय में जाकर उन बच्चों का उत्साहवर्धन किया। उनसे मिलने का असाधारण अनुभव बच्चों के लिए प्रेरणा का अक्षय स्रोत बना रहेगा। उन बच्चों की प्रगति को देखकर मुझे विशेष सार्थकता की अनुभूति होती है। शिक्षा प्रदान करने का कार्य केवल शिक्षकों तक ही सीमित नहीं होता है। प्रत्येक ऐसा व्यक्ति जो अपने आचरण और उपलब्धियों से बच्चों के लिए 'रोल मॉडल' बनता है, वह भी शिक्षा और प्रेरणा का अमूल्य स्रोत होता है। माता-पिता और अभिभावक बड़े विश्वास के साथ अपने बच्चों को शिक्षकों के पास भेजते हैं। वे यह मानकर चलते हैं कि शिक्षक अपनेपन की भावना से बच्चों की सुरक्षा और प्रगति पर ध्यान देंगे। इस पवित्र आस्था की रक्षा करना प्रत्येक शिक्षक का धर्म है। शिक्षक की भावना, आचरण और व्यवहार ऐसा होना चाहिए जिससे बच्चों में भय और आशंका न उत्पन्न हो, उनका मनोबल न टूटे तथा उनमें हीन भावना न पैदा हो। अच्छे शिक्षक यह सुनिश्चित करते हैं कि विद्यार्थी अपने सर्वोत्तम स्वरूप को प्राप्त कर सकें। विद्यार्थी को अच्छा व्यक्ति बनाना शिक्षक का पावन कर्तव्य है। नैतिकता के पथ पर चलते हुए समृद्धि और यश प्राप्त करने वाले विद्यार्थी ही शिक्षक की सफलता के जीवंत प्रतिमान होते हैं। हमारा देश सामाजिक समावेश के साथ विकसित राष्ट्र बनने के लक्ष्य की ओर अग्रसर है। मैं चाहूंगी कि विकास यात्रा के इस क्रम में हमारे शिक्षकगण ऐसी पीढ़ियों का निर्माण करें जो हमारी संस्कृति की गौरवशाली परंपरा का महत्व समझें, वैज्ञानिक दृष्टिकोण के साथ मानवता के हित में कार्य करें, अंत्योदय के आदर्शों को आत्मसात करें, पर्यावरण और पशु-पक्षियों के संरक्षण में सक्रिय रहें, व्यक्तिगत और सामूहिक गतिविधियों में उत्कर्ष प्राप्त करें तथा 'राष्ट्र सर्वोपरि' की भावना से आगे बढ़ें। मेरा सभी देशवासियों से अनुरोध है कि वे निष्ठावान शिक्षकों के प्रति सदैव सम्मान की भावना रखें। मेरी कामना है कि समर्पित शिक्षकों के योगदान से भारत पढ़े और बहुत आगे बढ़े। **(लेखक भारत की राष्ट्रपति हैं।)**

आलेख

जयशंकर से अधिक राम माधव उपयोगी रहे

हरिशंकर व्यास

मैंने जनसंघ, भाजपा को बढ़ते-बनते देखा है। लोकसभा की दो सीट (1984) व 7.7 प्रतिशत वोटों से 282 सीटें (2014) तथा 31.3 प्रतिशत वोट प्राप्ति का विकास भी देखा। 1984 से 2014 के इन तीस वर्षों में भाजपा-संघ की तब पूंजी थी चाल, चेहरा और चरित्र। और इसी के क्रम में 2014 में नरेंद्र मोदी ने एकछत्र सत्ता पाई। वह सब अब उस खोखे में कनवर्ट है, जिसका न कोई धर्म है, न ईमान और न चरित्र। इन बारह वर्षों में अमित शाह से मौजूदा नितिन नवीन की अध्यक्षता की भाजपा भारत की राजनीति का वह खोखा बन चुकी है, जो गुजराती-मारवाड़ी धनपशुओं की कॉर्पोरेट शेल (खोखा) कंपनियों की धंधेबाजी का मात्र एक मॉडल है। खोखा मॉडल मतलब दिखावे के लिए, ऊपरी तौर पर एक वैध, कानूनी और जीवंत ढांचे की झांकी है, लेकिन असल में एक मालिक के स्वामित्व, निर्णय-शक्ति, उसकी निज संपत्ति व निज भूख का वह भभका होता है, अनैतिक धंधा होता है। जैसे अरबपतियों के कॉर्पोरेशन की खोखा कंपनियां कागज़ों पर निदेशक, वार्षिक बैठकें और शेयरधारकों की मौजूदगी दिखाती हैं, लेकिन किसी के पास रियल फैसलों का अधिकार नहीं होता, वैसे ही नरेंद्र मोदी-अमित शाह ने पूरी भाजपा, उसकी हर स्तर की सत्ता, संगठनात्मक मोर्चों को खोखा कंपनियों में बदल दिया है। पूरे ताने-बाने में नरेंद्र मोदी के अलावा किसी भी चेहरे का अर्थ नहीं है। तभी इस सप्ताह मैंने नितिन नवीन की अध्यक्षता के पदाधिकारियों की लिस्ट देखी तो तत्क्षण मुझे 1980 दिल्ली के फिरोजशाह कोटला मैदान में भाजपा गठन के चेहरे याद हो आए। तब चेहरे अध्यक्ष अटल बिहारी वाजपेयी, उपाध्यक्ष आडवाणी, राम जेठमलानी, विजयराजे, के. एस. हेगड़े, सिकंदर बख्त थे। महामंत्री थे नानाजी देशमुख (शुरुआती बैठकों में मार्गदर्शक), यदुनाथ जोशी, लालजी टंडन, सुरजीत सिंह बरनाला। वही शांतिभूषण कोषाध्यक्ष। कार्यकारिणी में थे मुरली मनोहर जोशी, भैरोसिंह शेखावत, शांताकुमार, सुषमा स्वराज, प्रमोद महाजन, जे. जे. कृष्णमूर्ति, आरिफ बेग, जगन्नाथराव जोशी, सुंदरसिंह भंडारी। वाजपेयी के बाद आडवाणी तीन बार, मुरली मनोहर जोशी, कुशाभाऊ ठाकरे एक-एक बार अध्यक्ष बने। फिर वाजपेयी-आडवाणी की सरकार बनी, तब सत्ता ने अपनी सहूलियत से अध्यक्ष बनवाए थे। बावजूद इसके संघ से सलाह करके ही तब जनसंघ-संघ में खंपे के जनाकृष्ण, बंगारू लक्ष्मण, वेंकैया नायडु के चेहरे थे। फिर राजनाथ सिंह व नितिन गडकरी अध्यक्ष बने। इनके उपाध्यक्ष, महामंत्री, कार्यकारिणी सदस्य एक से बढ़कर एक, हैसियत वाले चेहरे थे। तीस-चालीस साल जमीनी राजनीति में खपने वाले। न तब कोई मुखौटा संस्था व चेहरे थे और न सत्तावान नेताओं ने होल्डिंग कंपनी, याकि आरएसएस को कभी औकात दिखाई। सभी जमीनी याकि मास लीडर थे। शेखावत, शांताकुमार, प्रमोद महाजन, कल्याण सिंह, सुषमा स्वराज आदि सभी अपनी-अपनी पूंजी लिए हुए थे। मजाल जो मजदूर संघ (दत्तोपंत ठेंगड़ी), स्वदेशी जागरण मंच या किसान संघ प्रधानमंत्री वाजपेयी के आगे बोलती बंद रखें या सरकार की तुताड़ी बजाएं। तब संघ प्रमुखों और पदाधिकारियों का भी वजूद व धर्म-ईमान था। निश्चित ही 1980 में देवरस, राजेंद्र सिंह और सुदर्शन का बोलना तब मतलब रखता था। इनके समय में मौजूदा मोहन भागवत की तरह नरेंद्र मोदी या अमित शाह के आगे संघ पदाधिकारियों का भीगी बिल्ली वाला व्यवहार नहीं था। तब राममंदिर आंदोलन मामले में संघ के एक मोरोपंत पिंगले सालों कर्ताधर्ता रहे। पर वे आज के संघ प्रचारक चंपत राय (मंदिर की चंदा चोरी), कृष्णगोपाल (विश्वविद्यालयों में नियुक्तियों), इंद्रेश कुमार, सुरेश सोनी आदि जैसे नहीं थे। जाहिर है प्रधानमंत्री मोदी ने सत्ता की अपनी भूख के साथ संघ को भी पावर के नशे में झुमा दिया है। पूरे कुएं में भांग घुली हुई है। तभी चाल-चेहरे-चरित्र में पतन का वह पैंदा है, जिसके चलते दुनिया में भारत अब उभरता हुआ नहीं, बल्कि कॉकरोचों, गधेड़ों, दिमागी नक्सलियों जैसी बातों वाला देश है। सोचें, भाजपा की नई टीम के चेहरों पर। नितिन नवीन की अध्यक्षता के मातहत अब राम माधव और वसुंधरा राजे बतौर उपाध्यक्ष हैं। यह इनका मान है या अपमान? बारह वर्षों से राम माधव दुनियाभर में फैले प्रवासी भारतीयों की भीड़ मोदी के लिए जुटवाई।

ग्लोबल कंपनियां और भारतीय फर्में

डा. अश्विनी महाजन

उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के नाम पर, भारतीय फर्मों, विशेष रूप से कंसल्टिंग क्षेत्र में, को जानबूझकर सरकारी खरीद अनुबंधों (प्रोक्योरमेंट कॉन्ट्रैक्ट्स) के लिए प्रतिस्पर्धा से बाहर रखा जाता रहा है। उदाहरण के लिए कुछ करोड़ रुपए के अनुबंधों के लिए सरकारी टेंडरों में शर्तें होती हैं लाल किले की प्राचीर से स्वतंत्रता दिवस के अपने भाषण में, प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी ने न केवल अपनी सरकार की उपलब्धियां गिनाईं, बल्कि भविष्य के लिए एक रोडमैप भी पेश किया और उन क्षेत्रों पर जोर दिया, जहां भारत को अपनी कोशिशें तेज करने की जरूरत है। इस संदर्भ में, उन्होंने भारतीय बैंकों और दवा कंपनियों से अपने-अपने क्षेत्रों में दुनिया की शीर्ष पांच कंपनियों में जगह बनाने का आह्वान किया। उन्होंने रेटिंग, कानून, अकाउंटिंग और कंसल्टिंग के क्षेत्रों में भारतीय फर्मों के खुद को स्थापित करने की जरूरत पर भी जोर दिया और कहा कि भारत के पास इन क्षेत्रों में बेहतर प्रदर्शन करने के लिए जरूरी टैलेंट और क्षमता दोनों मौजूद हैं। यह ध्यान देने वाली बात है कि यह पहली बार नहीं है जब प्रधानमंत्री ने रेटिंग, कंसल्टिंग, कानूनी और अकाउंटिंग क्षेत्रों में भारतीय कंपनियों की जरूरत पर जोर दिया है। इससे पहले भी कई मौकों पर प्रधानमंत्री और प्रधानमंत्री की आर्थिक सलाहकार परिषद ने ये बातें उठाई हैं। एक ओर अंतरराष्ट्रीय कंसल्टिंग फर्में भारतीय सरकार को सलाह देती हैं और राष्ट्रीय नीतियों को प्रभावित करती हैं, लेकिन साथ ही वे बड़ी ग्लोबल कंपनियों की भी सलाहकार होती हैं। नतीजतन, इस बात की कोई गारंटी नहीं है कि भारतीय सरकार को सलाह देते समय वे मल्टीनेशनल कंपनियों के हितों को प्राथमिकता नहीं देंगी। ग्लोबल कंसल्टिंग फर्मों के साथ काम करते समय भविष्य की योजनाओं की गोपनीयता और संबंधित डेटा की सुरक्षा भी चिंता का विषय है। इसलिए योजनाओं और डेटा के लीक होने का जोखिम उठाए बिना भारत के भीतर सही नीतियां बनाने के लिए घरेलू कंसल्टिंग फर्में स्थापित करना बहुत जरूरी है। इस क्षेत्र में ईमानदार सेवाओं की वैश्विक मांग भी है। अगर भारतीय कंपनियां अपनी विशेषज्ञता बढ़ाती हैं और अंतरराष्ट्रीय स्तर पर अपनी सेवाएं देती हैं, तो देश काफी विदेशी मुद्रा कमा सकता है। जाहिर है, इस क्षेत्र में भारतीय कंपनियों के आने से न केवल विदेशी मुद्रा की बचत होगी, बल्कि यह विदेशी मुद्रा कमाने का एक बड़ा माध्यम भी बन सकती हैं। साथ ही ग्लोबल साजिशों का शिकार होने से भी बचा जा सकेगा। यह समझना जरूरी है कि बड़ी संख्या में भारतीय पेशेवर दुनिया की प्रमुख कंसल्टिंग, रेटिंग, अकाउंटिंग और लॉ फर्मों के साथ काम करते हैं, चाहे वे भारत में काम करती हों या दुनिया में कहीं और, और कई कंपनियों में तो वे उनके सीईओ के तौर पर भी काम कर रहे हैं। भारत के बेहतरीन संस्थानों से पढ़े-लिखे और अंतरराष्ट्रीय अनुभव रखने वाले हमारे प्रोफेशनल्स किसी से कम नहीं हैं। ठीक इसीलिए प्रधानमंत्री ने लाल किले की प्राचीर से कहा था कि इस मामले में देश में टैलेंट या काबिलियत की कोई कमी नहीं है। तो, ऐसा क्यों है कि इन सेक्टरों में भारत की कोई बड़ी कंपनियां नहीं हैं? इसे समझने के लिए हमें अपने इतिहास को देखना होगा। आजादी के बाद, हमारी आर्थिक नीतियां समाजवादी विचारधारा की ओर झुकी हुई थीं। उस समय नीति-निर्माताओं का मानना था कि निजी क्षेत्र के पास जरूरी आर्थिक ताकत, टेक्नोलॉजी और जोखिम उठाने की क्षमता या सोच की कमी है। इसलिए आर्थिक विकास की जिम्मेदारी सरकार उठाएगी। ऐसे हालात में, आर्थिक नीति में निजी क्षेत्र को दूसरे दर्जे पर रखा गया। ऐसे माहौल में, कोई सोच भी कैसे सकता था कि कोई भारतीय लॉ फर्म, रेटिंग एजेंसी या कंसल्टिंग और अकाउंटिंग कंपनी ग्लोबल स्तर पर पहचान बनाएगी और दुनिया भर में अपना नाम कमाएगी। 1991 के बाद अपनाई गई भूमंडलीकरण, उदारीकरण और निजीकरण (एलपीजी) की नीतियों के तहत भी ग्लोबलाइजेशन का ही बोलबाला रहा। सोच यह थी कि देश ग्लोबल कंपनियों की मदद से आगे बढ़ सकता है- चाहे वह टेक्नोलॉजी, मैन्युफैक्चरिंग या सेवा क्षेत्र हो। आत्मविश्वास की कमी के कारण भारतीय नीति-निर्माताओं ने घरेलू कंसल्टिंग, कानूनी, अकाउंटिंग और रेटिंग एजेंसियों को विकसित करने के बारे में कभी सोचा ही नहीं। इसके अलावा जरूरी प्रोफेशनल टैलेंट और काबिलियत होने के बावजूद, भारतीय प्रोफेशनल्स को बड़ी कंसल्टिंग कंपनियां बनाने में संघर्ष करना पड़ रहा है, क्योंकि घरेलू नियम और कानून अक्सर इसमें बाधा बनते हैं। वास्तविकता तो यह है कि आत्मविश्वास की कमी के कारण, भारतीय नीति-निर्माताओं ने कभी भी घरेलू कंसल्टिंग, कानूनी, अकाउंटिंग और रेटिंग एजेंसियां विकसित करने के विचार पर गंभीरता से विचार नहीं किया। जब प्रधानमंत्री मोदी के नेतृत्व में सरकार का ध्यान भारतीय कंसल्टिंग फर्मों की स्थापना के मुद्दे पर गया, तो यह महसूस किया गया कि इसके लिए महत्वपूर्ण नियामक बदलावों की आवश्यकता होगी। यह देखा गया कि मौजूदा नियम, विशेष रूप से वकीलों और वित्तीय पेशेवरों के लिए, उन्हें कॉर्पोरेट संरचनाएं अपनाने, बहु-विषयक (मल्टी डिसिप्लिनरी) प्रैक्टिस करने और विदेशी सहयोग करने में बाधा बन रहे हैं। हालांकि यह धारणा है कि केवल बहुराष्ट्रीय फर्मों के पास ही विभिन्न देशों में काम करने का अनुभव, अपनी खुद की रिसर्च और विशेष ज्ञान होता है। इसके लिए घरेलू पेशेवरों को शुरुआत करने के लिए उचित अवसर दिए जाने की सख्त जरूरत है। जिसके बिना इन क्षेत्रों में भारत की अपनी कंपनियों का उदय संभव नहीं। हमारी नौकरशाही भारतीय कंसल्टिंग, कानूनी और अकाउंटिंग फर्मों के विकास में सबसे बड़ी बाधा रही है। उत्कृष्टता सुनिश्चित करने के नाम पर, भारतीय फर्मों, विशेष रूप से कंसल्टिंग क्षेत्र में, को जानबूझकर सरकारी खरीद अनुबंधों (प्रोक्योरमेंट कॉन्ट्रैक्ट्स) के लिए प्रतिस्पर्धा से बाहर रखा जाता रहा है। उदाहरण के लिए कुछ करोड़ रुपए के अनुबंधों के लिए सरकारी टेंडरों में अक्सर यह शर्त रखी जाती थी कि बोली लगाने वाली इकाई का टर्नओवर कई हजार करोड़ रुपए होना चाहिए।

किसानों-पशुपालकों के समक्ष चुनौतियां

रामलाल पाठक

यदि इन दोनों समस्याओं का समय रहते समाधान नहीं किया गया, तो कृषि उत्पादन, किसानों की आय और देश की खाद्य सुरक्षा पर गंभीर प्रभाव पड़ सकता है। किसानों की समस्याओं पर वैज्ञानिकों को सोचना चाहिए हमारे देश की 75 प्रतिशत से अधिक आबादी गांवों में रहती है। कृषि एवं पशुपालन मुख्य व्यवसाय होने के कारण उन्हें अपनी मेहनत के अनुसार आय नहीं हो रही है। केन्द्र या प्रदेश सरकार इस वर्ग के समस्याओं के प्रति संवेदनशील नहीं हैं। सिंचाई की पर्याप्त सुविधा न होने के कारण प्रकृति से सामंजस्य स्थापित करके रात दिन कड़ी मेहनत करके कृषक देश की खाद्य आवश्यकताओं की पूर्ति कर रहा है। किसानों एवं पशुपालकों के सामने अनेक चुनौतियां हैं। नतीजतन अब उपजाऊ भूमि बंजर होने लगी है तथा पशुपालकों के ज्यादातर पशु सडकों, गलियों और चैराहों में भटक रहे हैं। ग्रामीणों को लग रहा है कि अब खेतीबाड़ी करना और पशुपालन व्यवसाय घाटे का सौदा हो गया है। इसलिए अब ग्रामीण युवा रोजगार की तलाश में शहरों की ओर पलायन करने लगे हैं। इसलिए कृषि एवं पशुपालन का काम न के बराबर हो गया है। पहले शहरों के लिए गांव से अनाज और दूध वितरित होता था। अब स्थिति यह हो गई है कि शहरों से आटा, दाल, सब्जी और फल इत्यादि गांव के लिए वितरित हो रहे हैं। यह भी तर्कसंगत रहा कि खेतीबाड़ी एवं पशुपालन व्यवसाय से ग्रामीण स्तर की अर्थव्यवस्था सुदृढ़ होती रही है, जबकि देश के विकास का रास्ता गांव से होकर गुजरता है। अर्थात ग्रामीण क्षेत्र जितने विकसित होंगे, देश की आर्थिक व्यवस्था उतनी ही मजबूत होगी। पशुपालन से कस्बों से लेकर बड़े शहरों तक दूध की आपूर्ति हो रही है। स्वस्थ समाज के लिए जितना अन्न आवश्यक है उतना ही दूध भी आवश्यक है। एक लोक कहावत 'गाय न बच्छी नींद पई अच्छी' प्रचलित है। यानी कृषि एवं पशुपालन ग्रामीण जीवन शैली का आधार है। यदि किसान के पास पशु नहीं होंगे तो कृषि कार्यों में उसकी सक्रियता नहीं रहेगी। उपरोक्त लोक कहावत का यह अर्थ है कि यदि किसान के पास गाय या बछड़ी अर्थात पशु नहीं होंगे तो वह कोई मेहनत नहीं करेगा। इसलिए उसकी नींद भी समय पर नहीं खुलेगी। उसे चिंता नहीं होगी कि उसने पशुओं के लिए घास-पानी की व्यवस्था करनी है। डिजिटल इंडिया के कार्यान्वयन के बाद केंद्र सरकार या प्रदेश सरकार आए दिन किसानों के लिए नई-नई समस्याएं

खड़ी कर रही है तथा थोड़े से अनुदान के लिए नियम इतने कड़े कर दिए हैं कि किसान को खेत में काम करने के बजाय औपचारिकताएं पूरी करने के लिए भागदौड़ करनी पड़ती है। इससे उन्हें भारी परेशानी का सामना करना पड़ता है। फसल की बुआई के समय किसान का एक एक पल बहुमूल्य होता है। यह काम ज्यादातर बारिश पर ही निर्भर करता है। बारिश के पानी से खेत में नमी थोड़े ही समय के लिए रहती है। पर्याप्त मात्रा में नमी न होने से बीज में अंकुर नहीं फूटते। ऐसी स्थिति में किसान को अगली बारिश के लिए प्रतीक्षा करनी पड़ती है। कई बार समय पर बारिश नहीं होती। इसलिए फसल पर शुरू से ही संकट मंडराने लगता है। केंद्र की मोदी सरकार ने प्रधानमंत्री किसान सम्मान निधि योजना शुरू की। इस योजना के अंतर्गत खाद, बीज, कीटनाशक दवाइयों के लिए किसानों को सालाना 6 हजार रुपए दिए जा रहे हैं। यह राशि साल में तीन किस्तों में मिलती है। शुरू में उन लोगों को भी किसान निधि का लाभ मिल गया, जिनके पास एक बीघे से कम भूमि थी, लेकिन उन किसानों को यह राशि नहीं मिली जिनके पास पांच बीघे से अधिक जमीन थी। कुछ सुधार होने के बाद किसानों को आईडी बनाने के चक्कर में डाल दिया। इसके लिए किसान की भूमि ऑनलाइन होनी जरूरी है। कई जिलों में बनी नई तहसीलों और उप-तहसीलों में किसानों की जमीन ऑनलाइन नहीं हुई। यदि हुई है तो उसमें दिक्कत आ रही है। इससे असंख्य किसानों को इस सम्मान राशि से वंचित रहना पड़ रहा है। कई जगह किसानों की आईडी नहीं बन रही है। शुरू में किसान लोकमित्र केंद्रों में चक्कर काटते रहे, लेकिन नेट की समस्या या अन्य तकनीकी कारणों से अनेक किसानों को यह सम्मान निधि भी नहीं मिल रही है। जानकारी के अभाव में ग्रामीणों को जिला एवं तहसील मुख्यालयों के चक्कर काटने पड़ रहे हैं। उन्हें सीधा लोकमित्र केंद्रों में भेजा जाता है। जब काम नहीं होता तो वे वापस अपने घर आ जाते हैं। इससे उनका पूरा दिन बर्बाद हो जाता तथा बेवजह पैसा भी खर्च होता है। कुछ मिलने के बजाय जेब से भी जा रहा है। इस साल एक और नई दिक्कत यह आई कि फसल के लिए किसानों को रासायनिक खाद चाहिए होती है। इसके लिए किसान की जमीन का खसरा नंबर जरूरी कर दिया है। इसके बिना खाद नहीं मिली। कई किसानों की सहकारी सभाएं और पटवारखाना अलग अलग दिशा में हैं। उन्हें भारी मुश्किल का सामना करना पड़ रहा है। कई किसानों के इस काम के लिए दो-दो दिन लग गए। आज खेतीबाड़ी का काम अनेक चुनौतियों से भरा है। जमीन में बड़ी तेजी से फैलता खरपतवार तथा उपजाऊ भूमि की लगातार घटती उर्वरकता सबसे गंभीर समस्याएं हैं।

जो समय की कीमत करता है, उसकी ही दुनिया में कीमत होती है : पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरूदेव

नई दिल्ली (विश्व परिवार)। पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरूदेव के शिष्य श्रुत संवेगी श्रमण सुव्रतसागर दिल्ली, ऋषभोदय में विराजित दिगम्बर जैन पट्टाचार्य श्री विशुद्ध सागर जी गुरूदेव ने धर्म सभा में सम्बोधन करते हुए कहा कि- जो समय की कीमत करता है, उसकी ही दुनिया में कीमत होती है। जो समय की कीमत नहीं समझता है, जो समय के ताव को नहीं जानता जो समय पर नहीं संभलता उसको जीवन भर पछताना पड़ता है। समय पर किया गया कार्य ही सिद्धि एवं सफलता प्रदान करता है।

समय सिद्धि का सोपान

जीवन-विकास में समय की बहुत कीमत है। जो समय पर, समय को, समझ लेता है और सैभल जाता है, वह सम्पूर्ण-सिद्धियों को प्राप्त करता है। समय पर कार्य करो तो स्वस्थ एवं मस्त रहोगे। समय पर भोजन करो, समय पर विश्राम करो, समय पर उठो, समय पर बोलो। समय के महत्त्व को समझो। समय पर किया गया भोजन अमृत होता है, असमय में किया गया भोजन विष होता है। समय पर फसल बोओगे तो फसल अच्छी होगी। स्वाति नक्षत्र में शि सीप में गिरी पानी की बूँद मोती बन जाती है। समय को समझो; समय के साथ चलो। व्यर्थ के प्रपंचों में मत फैसो । समय बचाओ, आगे बढ़ो। समय की कीमत करो, समय तुम्हारी कीमत करेगा।

संगति से सुधरेगी गति

गति सुधारना है, तो सुसंगति करो। जो ज्येष्ठ पुरुषों की साधु-महात्माओं की संगति करता है, उसकी नियम से गति सुधरती है। वृद्धों की संगति से परिणाम विशुद्ध होते हैं। कुसंगति का त्याग करो, सु-संगति प्राप्त करो। स्पर्धा में मनजिर श्रद्धा में जियो।

विनाश-काले विपरीत-बुद्धि

व्यक्ति का जब विनाश काल आता है, अशुभ कर्म का उद?य आता है, अशुभ समय आता है, तो व्यक्ति की बुद्धि खोटी हो जाती है। पुण्य क्षीण के विचार भी निम्न होते हैं। पुण्य श्रीण का शरीर भी रुक्ष हो जाता है। पुण्य क्षीण के भाव एवं भाषा दोनों ही अशुभहोने लगते हैं। जो सज्जनों को सताता है, वह शीघ्र ही अपना पुण्य क्षय कर लेता है।

सबके दिन एक-से नहीं होते

सबके दिन एक से नहीं होते। नारायण भी कृष्ण जो कभी राज्य करते थे वो भी नहीं बचे। जो कभी महल थे, वो आज खण्डहर दिखाई दे रहे हैं। कहाँ गएबीराम कहीं गए महावीर वर्धमान मृत्यु किसी के साथ पक्षपात नहीं करती है। इठलाओ मत । तुम भी नहीं बचोगे। तुम्हारी देह भी नहीं बचेगी। तुम्हारे सगे-संबंधी भी नहीं बचेंगे। जो जो जन्मा है, उनकी मृत्यु भी होगी। संभलो, अपने चित्त को सँभालो।

मत मारो, अन्यथा मारे जाओगे

किसी को मत सताओ, अन्यथा तुम भी किसी के द्वारा सताये जाओगे। किसी को मत मारो, अन्यथा तुम भी मारे जाओगे। आज तुम बलवान हो, भविष्य में बलहीन होगे तब क्या होगा? समय बदलते देर नहीं लगती। पल-भर में सब-कुछ बदल जाता है मृत्यु के निकट आने पर पलक उठाने में भी ताकत लगाना पड़ता है।

श्री 1008 चंद्रप्रभु दिगंबर जैन सवाईवाला मंदिर में उत्थापन विधि महोत्सव भक्तिभाव से संपन्न

छत्रपति संभाजीनगर (विश्व परिवार)। छत्रपति संभाजीनगर के ऐतिहासिक श्री 1008 भगवान चंद्रप्रभु सवाईवाला दिगंबर जैन मंदिर में आयोजित उत्थापन विधि महोत्सव अत्यंत भक्तिमय माहौल और भारी उत्साह के साथ संपन्न हुआ। पंचामृत अभिषेक, महाशांतिधारा, शांति हवन, मूर्ति उत्थापन विधि, वेदी प्रतिष्ठा, श्री शांतिनाथ विधान, शांति होम और महाआरती जैसी विभिन्न धार्मिक विधियों में हजारों श्रद्धालुओं ने सहभागिता कर धर्मलाभ लिया।

इस प्राचीन तीर्थक्षेत्र में कुल 251 जिन प्रतिमाएं विराजमान हैं, जिनमें से संवत 115 की भगवान पार्श्वनाथ की लगभग 1968 वर्ष प्राचीन अतिशय चमत्कारी (प्रभावी) प्रतिमा इस मंदिर का प्रमुख आकर्षण है। साथ ही, यहाँ सहस्त्रकुंड और उल्टे स्वस्तिक चिह्न के साथ भगवान सुपार्श्वनाथ की दुर्लभ प्रतिमा भी भक्तों के दर्शनार्थ विराजमान है। लगभग 350 वर्षों का इतिहास समेटे हुए यह प्राचीन जिनालय धार्मिक और ऐतिहासिक दृष्टिकोण से अत्यंत

महत्वपूर्ण माना जाता है।

महोत्सव के दौरान जब शांतिधारा चल रही थी, तभी हुई मूसलाधार बारिश से पूरा परिसर भक्ति रस में सराबोर हो गया। उपस्थित श्रद्धालुओं ने इस वर्षा को गुरु कृपा का शुभ संकेत मानते हुए आनंद व्यक्त किया। पूरे मंदिर परिसर में नमोकार भक्ति मंडल के सानिध्य में भक्तिमय माहौल निर्मित हो गया था।

इस पावन समारोह को आचार्य श्री 108 पुष्पदंतसागर जी, आचार्य श्री 108 कुंथुसागर जी, आचार्य श्री 108 विशुद्धसागर जी, आचार्य श्री 108 प्रसन्नसागर जी, आचार्य श्री 108 हेमसागर जी, आचार्य श्री 108 प्रणामसागर जी, आचार्य श्री देवनंदी जी, आचार्य श्री गुप्तीनंदी जी, आचार्य श्री सुयशगुप्ती जी और आचार्य श्री 108 विनम्रसागर जी का पावन आशीर्वाद प्राप्त हुआ।

इस अवसर पर चातुर्मास के प्रारंभ में श्रद्धालुओं ने धार्मिक साधना और आराधना में बढ़-चढ़कर हिस्सा लिया। चातुर्मास के पहले पांच दिनों में 'रक्षा मंत्र' का सवा लाख से अधिक (1,25,000+) जाप पूरा कर सामूहिक भक्ति का एक प्रेरणादायी उदाहरण प्रस्तुत किया गया। मंदिर समिति ने महोत्सव के सफल आयोजन के लिए सभी श्रद्धालुओं, स्वयंसेवकों और सहयोग करने वालों का आभार व्यक्त किया। यह जानकारी प्रचार-प्रसार संयोजक नरेंद्र अजमेरा और पियूष कासलीवाल औरंगाबाद ने दी है।

बृजमोहन अग्रवाल के निवास पर धूमधाम से मनी श्रीकृष्ण जन्माष्टमी, नन्हे-मुन्नों ने फोड़ी मटकी

रायपुर (विश्व परिवार)। रायपुर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल के परिवार ने श्रीकृष्ण जन्माष्टमी का पावन पर्व अत्यंत हर्षोल्लास एवं भक्तिमय माहौल में मनाया। मौलश्री विहार स्थित 'श्री राम जी वाटिका' में आयोजित इस पारिवारिक उत्सव में राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सजे परिवार के नन्हे-मुन्नों ने उत्साहपूर्वक मटकी फोड़ी, जिसने सभी का मन मोह लिया।

इस अवसर पर सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ने समस्त प्रदेशवासियों को श्रीकृष्ण जन्माष्टमी की हार्दिक बधाई एवं शुभकामनाएं दीं। उन्होंने भगवान श्रीकृष्ण से प्रार्थना करते हुए कहा कि मुरलीधर की कृपा से हर घर-आंगन में सुख, शांति, समृद्धि और खुशहाली का वास हो तथा छत्तीसगढ़ निरंतर विकास के पथ पर अग्रसर रहे। उत्सव के दौरान परिजनों एवं शुभचिंतकों ने पारंपरिक भजनों और पूजा-अर्चना के साथ भगवान लड्डू गोपाल का स्वागत किया।

कृष्ण जन्माष्टमी यानी गुण ग्राहकता दिवस, हर व्यक्ति से अच्छे गुण सीखें : साध्वी मंजुलाश्रीजी

रायपुर (विश्व परिवार)। आत्म उत्क्रांति आध्यात्मिक चातुर्मास 2026 के अंतर्गत श्री जिनकुशल जैन दादाबाड़ी में शुक्रवार को अध्यात्म सार ग्रंथ का पठन करते हुए साध्वी मंजुलाश्रीजी म.सा. ने कृष्ण जन्माष्टमी के प्रसंग से गुण ग्राहकता का संदेश दिया। उन्होंने कहा कि कृष्ण जन्माष्टमी केवल भगवान कृष्ण के जन्म का उत्सव मनाने का दिन नहीं, बल्कि उनके जीवन से गुण ग्रहण करने और अपने जीवन में उतारने का अवसर भी है।

साध्वीश्री ने कहा कि महापुरुष हों या सामान्य व्यक्ति, हमें हर व्यक्ति में मौजूद अच्छे गुणों को पहचानना और उनसे सीखना चाहिए। गुण ग्राहकता का अर्थ यही है कि हमारी नजर व्यक्ति की कमियों पर नहीं, बल्कि उसके भीतर छिपे अच्छे गुणों पर जाए। यदि सीखने की दृष्टि हो तो जीवन में मिलने वाला हर व्यक्ति हमारा शिक्षक बन सकता है।

भगवान कृष्ण के जीवन का प्रसंग

सुनाते हुए उन्होंने कहा कि कृष्ण का व्यक्तित्व अनेक गुणों से भरा हुआ था। बचपन में उन्होंने कठिन परिस्थितियों के बीच भी अपनी प्रसन्नता और सहजता को बनाए रखा। गोकुल में रहते हुए उन्होंने मित्रता, प्रेम और अपनत्व का भाव दिखाया। गोवर्धन पर्वत से जुड़ा प्रसंग हमें सामूहिकता और प्रकृति के प्रति सम्मान की सीख देता है। वहीं महाभारत के प्रसंगों में कृष्ण ने परिस्थितियों के अनुसार विवेक, नीति और धैर्य का परिचय दिया।

उन्होंने कहा कि कृष्ण की सबसे बड़ी विशेषताओं में से एक थी परिस्थितियों को समझकर सही निर्णय लेने की क्षमता। जीवन में केवल ज्ञान होना पर्याप्त नहीं है, उस ज्ञान का सही समय और सही दिशा में उपयोग करना भी जरूरी है। हमें कृष्ण के जीवन से यही विवेक सीखना चाहिए।

साध्वीश्री ने कहा कि कृष्ण ने मित्रता में भी आदर्श प्रस्तुत किया। सुदामा के साथ उनकी मित्रता यह बताती है कि सच्चे संबंध धन, पद या प्रतिष्ठा के आधार पर नहीं होते। व्यक्ति कितना बड़ा है, यह उसके पास मौजूद संपत्ति से नहीं, बल्कि उसके हृदय की विशालता से तय होता है। उन्होंने कहा कि हम अक्सर दूसरों की कमियां खोजने में लगे रहते हैं। यदि यही दृष्टि गुणों को खोजने में लग जाए तो हमारा जीवन बदल सकता है।

प्रदेश की कानून व्यवस्था लचर हो गयी : कांग्रेस

■ शांत सुरक्षित छत्तीसगढ़ बना अपराध का गढ़

रायपुर (विश्व परिवार)। प्रदेश की बिगड़ चुकी कानून व्यवस्था अब असहनीय हो गई है। प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश में अपराधी बेलगाम हो गए है और कानून व्यवस्था बदहाल हो चुकी है। राजधानी में महिला का रास्ता रोक कर हत्या कर दी गई। कुछ दिन पहले एक महिला के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। राजनांदगांव के चिखली में एक व्यक्ति की घर में घुस कर हत्या हो गई। रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है। प्रदेश में हर दिन 6 हत्या, 8 बलात्कार की घटना हो रही है। मुख्यमंत्री और गृह मंत्री को फेटोसेशन से फुर्सत नहीं है। आम आदमी की सुरक्षा की किसी को चिंता नहीं सक्ती में एक युवती को उसके घर में घुसकर गोली मार दी गयी थी। कोरिया के सोनहत में चार व्यक्तियों को जिंदा जला दिया गया। प्रदेश में कोई जिला नहीं जहां पर रोज हत्या, लूट, बलात्कार, चाकूबाजी की घटना नहीं हो रही है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि तीन साल पहले शांत और सुरक्षित राजधानी में 25 दिन में 16 मर्डर हो गये तथा पिछले 4 दिनों में गैंगवार के कारण 2 हत्याएं हो गयी। सरकार और पुलिस मूक दर्शक बनी हुई। कुछ दिन पहले राजधानी में महिला को रास्ते में रोक कर हत्या कर दी गई उसके बाद उसके शव के साथ दुष्कर्म हो गया। पिछले हफ्ते एक महिला के साथ एक दिन में दो बार गैंग रैप हो गया। राजनांदगांव के चिखली में एक व्यक्ति की घर में घुस कर हत्या हो गई। रायपुर में कमिश्नरी सिस्टम पूरी तरह फेल हो गया है।

प्रदेश कांग्रेस के वरिष्ठ प्रवक्ता सत्यप्रकाश सिंह ने कहा कि प्रदेश में हर दिन 6 हत्या, 8 बलात्कार की घटना हो रही है।

लक्ष्मी राजवाड़े ने बैठक में किया योजनाओं की समीक्षा

■ हितग्राहियों तक समयबद्ध लाभ पहुंचाने और मैदानी कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग के दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। महिला एवं बाल विकास तथा समाज कल्याण मंत्री श्रीमती लक्ष्मी राजवाड़े ने सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित विकासखंड स्तरीय समीक्षा बैठकों में विभागीय योजनाओं एवं विकास कार्यों की प्रगति की समीक्षा की। उन्होंने अधिकारियों को शासन की योजनाओं का प्रभावी क्रियान्वयन सुनिश्चित करते हुए पात्र हितग्राहियों तक योजनाओं का लाभ समयबद्ध रूप से पहुंचाने के निर्देश दिए।

मंत्री श्रीमती राजवाड़े ने बैठक में योजनाओं की जमीनी स्थिति की जानकारी लेते हुए मैदानी स्तर पर कार्यों की नियमित मॉनिटरिंग, गुणवत्ता और पारदर्शिता सुनिश्चित करने पर विशेष जोर दिया। उन्होंने अधिकारियों से कहा कि विकास एवं जनकल्याण से जुड़े कार्यों में किसी भी स्तर पर लापरवाही नहीं होनी चाहिए। आमजन से जुड़ी समस्याओं का प्राथमिकता के आधार पर निराकरण करते हुए योजनाओं के क्रियान्वयन में तेजी लाई जाए।

श्रीमती राजवाड़े ने कहा कि सुशासन का वास्तविक उद्देश्य शासन की योजनाओं और सुविधाओं का लाभ समाज के अंतिम व्यक्ति तक पहुंचाना है। विभागीय योजनाओं का लाभ वास्तविक जरूरतमंदों तक पहुंचे और विकास कार्यों का सकारात्मक प्रभाव आमजन के जीवन में दिखाई दे, इसके लिए निरंतर समीक्षा और प्रभावी मॉनिटरिंग जरूरी है।

उन्होंने अधिकारियों को मैदानी अमले के साथ बेहतर समन्वय बनाकर कार्य करने तथा योजनाओं के क्रियान्वयन में आने वाली समस्याओं का समय रहते समाधान करने के निर्देश भी दिए। मंत्री ने कहा कि योजनाओं की सफलता केवल स्वीकृति और क्रियान्वयन तक सीमित नहीं है, बल्कि उसका वास्तविक लाभ हितग्राही तक पहुंचना ही उसकी सार्थकता है। सूरजपुर एवं भैयाथान में आयोजित समीक्षा बैठकों में संबंधित विभागों के अधिकारी, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा कार्यकर्तागण उपस्थित रहे।

नगर निगम भिलाई के वार्डों का आरक्षण 9 सितंबर को कला मंदिर में होगा

भिलाईनगर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ शासन नगरीय प्रशासन एवं विकास मंत्रालय, महानदी भवन, नवा रायपुर द्वारा दिनांक 08 जुलाई 2026 को जारी पत्र के परिपालन में नगर पालिक निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया निर्धारित की गई है। छत्तीसगढ़ नगर पालिका (अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग) एवं महिलाओं के लिए वार्डों का आरक्षण नियम, 1994 के प्रावधानों के तहत नगर निगम भिलाई के वार्डों का आरक्षण किया जाएगा।

नगर निगम भिलाई के वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया 09 सितंबर 2026 को पूर्वान्ह 11:00 बजे कला मंदिर, सिविक सेंटर, सेक्टर-6, भिलाई में आयोजित की जाएगी। इस संबंध में दुर्ग कलेक्टर द्वारा दिनांक 31 अगस्त 2026 को पत्र जारी कर आरक्षण प्रक्रिया के आयोजन की जानकारी दी गई है। आरक्षण प्रक्रिया के अंतर्गत नगर निगम भिलाई के वार्डों में अनुसूचित जाति, अनुसूचित जनजाति, पिछड़ा वर्ग तथा महिलाओं के लिए निर्धारित प्रावधानों के अनुसार आरक्षण किया जाएगा। वार्डों के आरक्षण की प्रक्रिया नियमानुसार एवं निर्धारित प्रावधानों के तहत संपन्न होगी। आरक्षण प्रक्रिया को लेकर संबंधित अधिकारियों द्वारा आवश्यक तैयारियां की जा रही हैं।

क्रोध पर विजय प्राप्त करनी है तो मौन रहें : मुनिश्री संवेगरत्न सागर म.सा.

रायपुर (विश्व परिवार)। विवेकानंद नगर स्थित श्री ज्ञानवल्लभ उपाश्रय में जारी सर्वमंगलमय वर्षावास में धर्म, तप और आत्मचिंतन की साधना के साथ ज्ञान की गंगा प्रवाहित हो रही है। परम पूज्य मुनिश्री संवेगरत्न सागर जी म.सा. धर्मसभा में आचार्य वीरभद्राचार्य द्वारा रचित 'आतुर प्रत्याख्यान' ग्रंथ के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं को आत्मकल्याण का मार्ग बता रहे हैं। शुक्रवार को धर्मसभा में मुनिश्री ने क्रोध से बचने के उपायों को समझाया।

मुनिश्री ने कहा कि क्रोध पर विजय प्राप्त करनी है तो मौन का अभ्यास करना होगा। मनुष्य को यह विवेक होना चाहिए कि कब बोलना आवश्यक है और कब मौन रहना ही उचित है। वचन लब्धि का सदुपयोग विवेकपूर्वक

किया जाना चाहिए। अनावश्यक वचनों का परिणाम कई बार असहनीय हो जाता है। मुनिश्री ने कहा कि सभी का अंतिम लक्ष्य मोक्ष है और मोक्ष की दिशा में आगे बढ़ने के लिए मौन साधना का अभ्यास जरूरी है।

मुनिश्री ने कहा कि क्रोध का जनक अभिमान और क्रोध की जननी अपेक्षाएं हैं। अभिमान, अपेक्षा और ईर्ष्या सहित अनेक कारणों से व्यक्ति क्रोधित होता है। क्रोध की तपिश इतनी भयंकर होती है कि क्रोधित व्यक्ति दूसरों को नुकसान पहुंचाने के साथ अपनी आत्मा का भी अहित कर बैठता है। अभिमान जब हावी हो जाता है तो व्यक्ति देव, गुरु और धर्म के प्रति भी क्रोध कर सकता है। इससे बचने के लिए विनम्रता अपनाना और अभिमान का त्याग करना आवश्यक है।

मुनिश्री ने कहा कि क्रोध और अभिमान से दुख, दुर्गति और पीड़ा का सृजन होता है। क्रोध की परंपरा से बाहर निकलने के लिए सदाचार का पालन जरूरी है। व्यक्ति को अपने व्यवहार में विवेक और संयम को स्थान देना चाहिए।

मुनिश्री ने धर्मसभा में बताया कि क्रोध से बचने के लिए पांच बातों का सदैव ध्यान रखना चाहिए। पहला- गुरु एवं अपने से बड़ों पर विश्वास रखना चाहिए।

'गुरु वंदन' ग्रैंड फिनाले में 30 प्रस्तुतियों ने बांधा समां

■ नन्हे कलाकारों से लेकर शिक्षकों तक ने दिखाया हुनर

■ रायपुर में तिरंगा फेस्ट ने रचा नया रंगमंच

रायपुर (विश्व परिवार)। शहीद स्मारक भवन, जयस्तंभ चौक। मंच सजा था... रोशनी जगमगा रही थी... और जैसे ही सुरों ने आकार लिया, पूरा सभागार तालियों से गूंज उठा। सितंबर माह को डॉ. सर्वपल्ली राधाकृष्णन को समर्पित करते हुए आयोजित 'गुरु वंदन' तिरंगा फेस्ट फेस्टिवल के ग्रैंड फिनाले में कला, संस्कृति, गुरु-शिष्य परंपरा और देशभक्ति का अद्भुत संगम देखने को मिला।

प्रदेश के मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय के निर्देश पर एवं जिला प्रशासन रायपुर के मार्गदर्शन में अभिनव प्रयास के अंतर्गत आयोजित विशेष कार्यक्रम में शास्त्रीय संगीत, कथक, भरतनाट्यम, नृत्य, गीत, देशभक्ति गीत एवं वर्चुअल एयर प्रोग्राम सहित करीब 30 प्रस्तुतियां मंच पर प्रस्तुत की गईं। प्रतिभागियों ने पूरे उत्साह और आत्मविश्वास के साथ अपनी कला का प्रदर्शन किया।

कार्यक्रम में डॉ. गौरव कुमार सिंह, कलेक्टर रायपुर; श्री संबित मिश्रा, आयुक्त नगर पालिक निगम रायपुर; श्री युगल किशोर उर्वशा, आयुक्त , नगर पालिक निगम बिरगांव; श्री नवीन ठाकुर, अपर कलेक्टर; श्री कीर्तिमान सिंह राठौर, अपर कलेक्टर; तथा श्री अमर गिदवानी, अध्यक्ष, संस्कृति विभाग , रायपुर नगर पालिक निगम सहित अन्य गणमान्य अतिथिगण की मंच पर उपस्थिति रही ।

रायपुर जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने मंच पर तिरंगा शक्ति फेस्ट के आयोजन में अपनी कला प्रतिभा का प्रदर्शन करने वाले नन्हे, युवा, अनुभवी कलाकारों सहित कला केन्द्र रायपुर, नगर निगम रायपुर और स्कूल शिक्षा विभाग के सफल कार्यक्रम प्रबंधन में योगदान देने वाले शिक्षक- शिक्षिकाओं, अधिकारियों और कर्मचारियों का प्रमाणपत्र प्रदत्त कर उन्हें सम्मानित करते हुए उनका उत्साहवर्धन किया.

जिला कलेक्टर डॉ गौरव कुमार सिंह ने सभी नागरिकों से विनम्र अपील की कि वे तिरंगा शक्ति फेस्ट के आयोजनों में अधिक से अधिक संख्या में आकर कला प्रतिभा का मंच पर प्रदर्शन करने वाले सभी कलाकारों का उत्साहवर्धन करें. उत्साहवर्धन किये जाने से कलाकारों का मनोबल बढ़ता है और उनकी कला प्रतिभा में और अधिक निखार आता है.

नगर निगम आयुक्त श्री संबित मिश्रा ने रायपुर जिला कलेक्टर के मार्गदर्शन में किये जा रहे तिरंगा शक्ति फेस्ट आयोजन को सराहा और कला प्रतिभाओं का उत्साहवर्धन करते हुए उन्हें सफलता हेतु हार्दिक शुभकामनायें दीं

नगर निगम संस्कृति विभाग अध्यक्ष श्री अमर गिदवानी ने तिरंगा शक्ति फेस्ट के सफल आयोजन हेतु आयोजकों को सराहा और आगामी प्रस्तावित आयोजनों हेतु सफलता के लिए अपनी अग्रिम हार्दिक शुभकामनायें मंच पर दीं.

पांच साल के नन्हे कलाकारों ने भी संभाला मंच

इस आयोजन की सबसे खास तस्वीर तब देखने को मिली, जब करीब पांच वर्ष के नन्हे-मुन्ने कलाकारों ने मंच पर अपनी प्रस्तुतियां दीं। छोटे-छोटे कदमों और बड़े आत्मविश्वास के साथ बच्चों ने दर्शकों का दिल जीत लिया।

तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम रायपुर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह

रायपुर (विश्व परिवार)। तेरापंथ प्रोफेशनल फोरम रायपुर की नवगठित कार्यकारिणी का शपथग्रहण समारोह आज तेरापंथ अमोलक भवन में आयोजित हुआ। अध्यक्ष अरुण सिपानी, सचिव प्रणय बुरड़ सहित 43 सदस्यीय कार्यकारिणी ने जैन संस्कार विधि के माध्यम से श्रावक-श्राविकाओं की गरिमामयी उपस्थिति में शपथ ग्रहण की। इस अवसर पर नई कार्यकारिणी ने 'Evolve with Purpose, Scale with Impact, Serve with Values' के संकल्प के साथ सेवा एवं संगठन को नई दिशा देने का संकल्प लिया। यह युक्त जानकारी सचिव प्रणय बुरड़ द्वारा दी गई।

शक्कर के बढ़ते दाम के विरोध में कांग्रेस का 'चीनी सत्याग्रह'

तिरंगा चौक पर धरना देकर केंद्र सरकार के खिलाफ किया प्रदर्शन, महंगाई पर नियंत्रण की मांग

गरियाबंद (विश्व परिवार)। शक्कर के लगातार बढ़ते दाम और भारतीय जनता पार्टी सरकार की कथित जनविरोधी नीतियों के विरोध में प्रदेश कांग्रेस कमेटी के निर्देश पर जिला कांग्रेस कमेटी द्वारा शुक्रवार को शहर के तिरंगा चौक में एक दिवसीय 'चीनी सत्याग्रह' आयोजित किया गया। इस दौरान कांग्रेस पदाधिकारियों एवं कार्यकर्ताओं ने धरना प्रदर्शन कर केंद्र सरकार की नीतियों के खिलाफ जमकर विरोध जताया।

कार्यक्रम से पहले कांग्रेस कार्यकर्ताओं ने जिला कांग्रेस भवन से तिरंगा चौक तक पैदल मार्च निकाला। इस दौरान कार्यकर्ताओं ने सरकार के खिलाफ नारेबाजी करते हुए बढ़ती महंगाई और शक्कर के दाम में वृद्धि को लेकर अपनी नाराजगी जाहिर की।

धरना प्रदर्शन को संबोधित करते हुए कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा ने कहा कि जनता से जुड़े मुद्दों को लेकर कांग्रेस लगातार सड़क से लेकर सदन तक संघर्ष करती रही है। उन्होंने कहा कि महंगाई और जनविरोधी नीतियों के खिलाफ कांग्रेस का संघर्ष आगे भी जारी रहेगा।

पूर्व पंचायत मंत्री अमितेश शुक्ला ने केंद्र और भाजपा सरकार पर निशाना साधते हुए कहा कि महंगाई का सीधा असर आम आदमी की रसोई और घरेलू बजट पर पड़ रहा है। आवश्यक खाद्य सामग्री के दाम बढ़ने से गरीब और मध्यम वर्गीय परिवारों को आर्थिक परेशानियों का सामना करना पड़ रहा है। उन्होंने आरोप लगाया कि सरकार एक ओर आम जनता को राहत देने का दावा करती है, वहीं दूसरी ओर रोजमर्रा की जरूरतों से जुड़ी वस्तुओं की बढ़ती कीमतों ने लोगों की परेशानी बढ़ा दी है।

अमितेश शुक्ला ने कहा कि शक्कर के बढ़े दाम का असर त्योहारों पर भी दिखाई दे रहा है। जन्माष्टमी जैसे पर्व में पूजा की थाली से मिठाई गायब होने की स्थिति बन गई है। उन्होंने आरोप लगाया कि एथनॉल के माध्यम से भाजपा सरकार अपने अरबपति व्यापारियों को फायदा पहुंचाने के लिए शक्कर के भाव बढ़ा रही है। उन्होंने कहा कि भाजपा सरकार के सत्ता में आने के बाद से महंगाई ने आम लोगों की कमर तोड़ दी है और जनता अब इस सरकार को उखाड़ फेंकने का मन बना चुकी है। आने वाले समय में कांग्रेस जनविरोधी नीतियों के खिलाफ और उग्र आंदोलन करेगी।

कार्यक्रम में जिला महामंत्री राजेश साहू, लोकेंद्र कोमर्रा, जिला उपाध्यक्ष रमेश शर्मा, शैलेन्द्र साहू और सुनील तिवारी ने भी संबोधित किया। वक्ताओं ने केंद्र सरकार से महंगाई पर नियंत्रण करने तथा आम जनता को राहत देने की मांग की।

कार्यक्रम का संचालन जिला महामंत्री नीरज ठाकुर ने किया, जबकि आभार लखन साहू ने व्यक्त किया। इस अवसर पर कांग्रेस जिलाध्यक्ष सुखचंद बेसरा, अमितेश शुक्ला, शैलेन्द्र साहू सहित जिला एवं ब्लॉक स्तर के पदाधिकारी, जनप्रतिनिधि, महिला एवं युवा कार्यकर्ता और बड़ी संख्या में कांग्रेस कार्यकर्ता मौजूद रहे।

शिक्षक दिवस पर रामानुजनगर के व्याख्याता गोपाल सिंह एवं शिक्षक योगेश साहू को मिलेगा राज्यपाल पुरस्कार

शिक्षक दिवस पर राजभवन में उत्कृष्ट कार्य एवं नवाचार के लिए किया जाएगा सम्मानित

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार) शिक्षक दिवस के अवसर पर 5 सितंबर 2026 को रायपुर स्थित राजभवन में आयोजित राज्य स्तरीय शिक्षक सम्मान समारोह में सूरजपुर जिले के रामानुज नगर के व्याख्याता गोपाल सिंह एवं शिक्षक योगेश साहू को राज्यपाल पुरस्कार से सम्मानित किया जाएगा।

विकासखंड रामानुजनगर के शासकीय बालक उच्चतर माध्यमिक विद्यालय के व्याख्याता गोपाल सिंह एवं शासकीय माध्यमिक शाला पतरापाली के शिक्षक योगेश कुमार साहू का चयन उत्कृष्ट शैक्षणिक कार्य एवं नवाचार के लिए किया गया है।

शिक्षक योगेश कुमार साहू ने गतिविधि आधारित शिक्षा, किचन गार्डन, पर्यावरण संरक्षण तथा शाला त्यागी बच्चों को शिक्षा की मुख्यधारा से जोड़ने की दिशा में उल्लेखनीय कार्य किया। तथा व्याख्याता गोपाल सिंह ने विज्ञान शिक्षा में नवाचार, विज्ञान क्लब, प्रयोग एवं मॉडल निर्माण जैसी गतिविधियों के माध्यम से विद्यार्थियों में वैज्ञानिक दृष्टिकोण विकसित किया। उनके मार्गदर्शन में विद्यार्थियों ने राज्य एवं राष्ट्रीय स्तर पर उत्कृष्ट प्रदर्शन किया है।

कलेक्टर श्रीमती रेना जमील ने राज्यपाल पुरस्कार के लिए चयनित दोनों शिक्षकों को बधाई एवं शुभकामनाएं दी हैं। उन्होंने कहा कि जिले के शिक्षकों द्वारा नवाचार एवं गुणवत्तापूर्ण शिक्षा के क्षेत्र में किए जा रहे उत्कृष्ट कार्य विद्यार्थियों के सर्वांगीण विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभा रहे हैं। दोनों शिक्षकों का राज्य स्तरीय सम्मान के लिए चयन सूरजपुर जिले के लिए गौरव की बात है। उन्होंने जिले के अन्य शिक्षकों से भी नवाचार एवं रचनात्मक गतिविधियों के माध्यम से शिक्षा की गुणवत्ता को और बेहतर बनाने का आह्वान किया।

महिला पत्रकारों की पिटाई पर भड़के प्रदेश कांग्रेस अल्पसंख्यक मोर्चा के महासचिव अफरोज खान

सूरजपुर ब्यूरो- (दैनिक विश्व परिवार)- देश की राजधानी में दो महिला पत्रकारों शाहीन खान और उसकी सहयोगी नफीसा खान के साथ दिल्ली पुलिस द्वारा की गई बर्बरता और अमानवीय व्यवहार पर छत्तीसगढ़ प्रदेश कांग्रेस कमेटी (अल्पसंख्यक विभाग) के प्रदेश महासचिव अफरोज खान ने कड़ा विरोध किया है। उन्होंने इस घटना को लोकतंत्र और देश के चौथे स्तंभ पर सीधा हमला और संविधान की धज्जियां उड़ाने वाला कृत्य करार दिया।उन्होंने मांग की कि इस घिनौने कृत्य में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

अफरोज खान ने कहा कि पुलिस का काम नागरिकों की सुरक्षा करना है, न कि सत्ता के इशारे पर निरपराधों और पत्रकारों पर अत्याचार करना। एक कार्यक्रम का कवरेज करने गईं 4 पी एम की दोनों महिला पत्रकार को पहले पकड़ कर थाने ले गईं और फिर थाने के भीतर उन दोनों महिला पत्रकारों शाहीन खान और नफीसा खान को बंधक बनाकर पीटना न सिर्फ पुलिस महकमे के लिए शर्मनाक है, बल्कि यह कानून के राज का खुला उल्लंघन है।

नाम और धर्म पूछकर की गई पिटाई!- अफरोज खान ने कहा की घटना का सबसे गंभीर पहलु ये है की फ़पीड़ित पत्रकार शाहीन खान द्वारा लगाए गए आरोप बेहद डराने वाला और भयावह हैं। शाहीन खान ने आरोप लगाया कि जब पुलिस अधिकारियों को पता चला कि पीड़ित का नाम 'खान' है, तो उनके साथ यह कहकर और अधिक बर्बरता की गई कि 'अच्छा, तुम मुसलमान हो... तुम्हें तो और मारना पड़ेगा!' यह बयान साबित करता है कि कानून के रखवालों के दिमाग में किस कदर सांप्रदायिक जहर भरा जा चुका है।

अफरोज खान ने दिल्ली पुलिस से तीखे सवाल किए की मुस्लिम पीड़ित ?न्याय की आस अब कहां जायँ किससे गुहार लगाए ? मुस्लिमों के साथ सड़क पर भीड़ द्वारा हिंसा की खबरें लगातार सामने आ रही थी, अब थानों के भीतर पुलिस खुद धर्म देखकर लोगों को निशाना बनाएगी, तो देश का अल्पसंख्यक,आदिवासी,दलित और आम नागरिक इंसाफ की गुहार लेकर कहां जाएगा ?

अफरोज खान ने आगे कहा की ये ?लोकतंत्र का हनन है,यदि निष्पक्ष पत्रकारिता करने वाली महिलाओं को उनके नाम और धर्म के आधार पर निशाना बनाया जाएगा, तो देश में अभिव्यक्ति की आजादी का क्या वजूद रह जाएगा ?

संविधान विरोधी मानसिकता पर जल्द रोक लगना चाहिए। दिल्ली पुलिस को अपनी साख बचाने के लिए तुरंत धर्मनिरपेक्ष और निष्पक्ष रवैया अपनाना होगा। अगर कानून प्रवर्तन एजेंसियां जाति और धर्म के चश्मे से न्याय करने लगेंगी, तो यह देश के लोकतांत्रिक ढांचे को पूरी तरह तबाह कर देगा। उन्होंने मांग की कि इस घिनौने कृत्य में शामिल दोषी पुलिसकर्मियों को तत्काल बर्खास्त कर उन पर कड़ी कानूनी कार्रवाई की जाए।

अचानक नदी में आई बाढ़ में फंसे युवक को पुलिस टीम ने सुरक्षित रेस्क्यू किया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-सूरजपुर जिला के थाना ओड़गी क्षेत्र के ग्राम मांदर में 02 सितंबर 2026 की सुबह रेड नदी में अचानक आई बाढ़ के कारण टापूनुमा स्थान पर फंसे एक युवक को पुलिस, एसडीआरएफ टीम एवं ग्रामीणों के संयुक्त प्रयास से सुरक्षित रेस्क्यू कर बाहर निकाला गया। व्यक्ति के बाढ़ में फंसे होने की जानकारी पर पुलिस अधीक्षक सूरजपुर श्री योगेश कुमार पटेल (भापुसे) ने तत्काल बचाव अभियान चलाकर सुरक्षित रेस्क्यू करने के निर्देश दिए। अतिरिक्त पुलिस अधीक्षक सूरजपुर योगेश देवांगन तथा एसडीओपी ओड़गी श्री राजेंद्र मंडावी के मार्गदर्शन में यह रेस्क्यू ऑपरेशन चलाया गया। ग्राम मांदर निवासी अशोक पिता ननकू चेरवा, उम्र 30 वर्ष, अपने दो अन्य साथियों के साथ सुबह करीब 10 बजे नदी में मछली मारने गया था। इसी दौरान नदी में अचानक बाढ़ आ गई और पानी का बहाव तेज होने से अशोक नदी के बीच स्थित टापूनुमा स्थान पर फंस गया। युवक के नदी में फंसे होने की सूचना मिलते ही थाना ओड़गी स्टाफएवं एसडीआरएफसूरजपुर की टीम मौके पर पहुंची। पुलिस टीम ने ग्रामीणों के सहयोग से काफी प्रयास एवं परिश्रम कर युवक तक पहुंच बनाई और उसे सुरक्षित बाहर निकाल लिया। रेस्क्यू के बाद थाना प्रभारी ओड़गी एवं पुलिस स्टाफद्वारा युवक को उसके परिजनों के सुपुर्द किया गया। पूरे रेस्क्यू ऑपरेशन में थाना प्रभारी ओड़गी निरीक्षक दिनेश कुमार पुरेना, हवलदार ज्ञानचंद सिंह, प्रधान आरक्षक उदय कुमार सिंह, मनोज वर्मा, आरक्षक अनिल एक्का सहित एसडीआरएफसूरजपुर की टीम एवं ग्रामीण सक्रिय रहे।

पुलिस की तत्परता से बची युवक की जान- अचानक नदी में आई बाढ़ के बीच युवक के फंसने की सूचना पर पुलिस एवं एसडीआरएफटीम द्वारा तत्काल मौके पर पहुंचकर चलाए गए बचाव अभियान से युवक को सुरक्षित बाहर निकाल लिया गया। पुलिस की त्वरित कार्रवाई और ग्रामीणों के सहयोग की क्षेत्र में सराहना हो रही है।

डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी को एम्स रायपुर के दीक्षांत समारोह में मिली एम बी बी एस की उपाधि परिजन एवं क्षेत्र वासियों ने दी शुभकामनाएं

डॉ अभिषेक कुमार एस ई सी एल विश्रामपुर क्षेत्र के प्रबंधक हरेंद्र तिवारी के सुपुत्र है

गोपाल सिंह विद्रोही

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)- एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के अमेरा उपक्षेत्र में कार्यरत प्रबन्धक हरेन्द्र तिवारी के सुपुत्र डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी ने अपनी सफलता से पूरे क्षेत्र का नाम रोशन किया है। 2 सितम्बर 2026 को आयोजित अखिल भारतीय आयुर्विज्ञान संस्थान (एम्स) रायपुर के तीसरे दीक्षांत समारोह में उन्हें आधिकारिक तौर पर एम बी बी एस की उपाधि प्रदान की गई। एम्स रायपुर के भव्य ऑडिटोरियम में आयोजित इस गरिमामय समारोह में देश और राज्य की कई गणमान्य हस्तियां मौजूद रहीं।

मुख्य अतिथियों की उपस्थिति में मिला सम्मान- डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी को यह उपाधि भारत सरकार के माननीय उपराष्ट्रपति श्री सी.पी. राधाकृष्णन, छत्तीसगढ़ के राज्यपाल श्री रामन डेका, भारत सरकार की स्वास्थ्य राज्य मंत्री श्रीमती अनुप्रिया पटेल, छत्तीसगढ़ शासन के स्वास्थ्य एवं उच्च शिक्षा मंत्री श्री श्याम बिहारी जायसवाल और रायपुर के सांसद श्री बृजमोहन अग्रवाल ,अध्यक्ष, एम्स रायपुर व एम्स रायपुर के एग्जीक्यूटिव डायरेक्टर की गरिमामयी उपस्थिति में प्रदान की गई।

गणित और जीव विज्ञान दोनों विषयों में दिखाई प्रतिभा, सीबीएसई में पाया दूसरा स्थान- डॉ. अभिषेक की शुरुआती शिक्षा से लेकर एमबीबीएस तक का सफर बेहद प्रेरणादायक रहा है। वे कक्षा नर्सरी से लेकर 12वीं तक हमेशा अपनी कक्षा में प्रथम स्थान पर रहे। उन्होंने अपनी कक्षा 12वीं की पढ़ाई सेंट्रल स्कूल, बैकुंठपुर (जिला-कोरिया, छ.ग.) से गणित एवं जीव विज्ञान दोनों विषयों के साथ पूरी की। इस कठिन कॉम्बिनेशन के बावजूद उन्होंने बेहतरीन प्रदर्शन करते हुए सीबीएसई रायपुर रीजन में द्वितीय स्थान हासिल कर अपनी असाधारण प्रतिभा का परिचय दिया था।

उनकी स्कूली शिक्षा का सफर इस प्रकार रहा: कक्षा 5वीं तक: दिलसग्राम कान्वेंट स्कूल, बल्लारपुर, जिला-चंद्रपुर (महाराष्ट्र) **कक्षा 10वीं तक:** सेंट जोसेफइंग्लिश मीडियम स्कूल, बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छत्तीसगढ़) **कक्षा 12वीं तक:** सेंट्रल स्कूल, बैकुंठपुर, जिला-कोरिया (छत्तीसगढ़)

नीट 2020 में गाड़े थे सफलता के झंडे- स्कूली शिक्षा के बाद अभिषेक ने वर्ष 2020 में राष्ट्रीय पात्रता सह प्रवेश परीक्षा (नीट) में शानदार प्रदर्शन किया। उन्होंने नीट में ऑल इंडिया रैंक 1588 व जनरल कैटेगरी रैंक 976 हासिल की। इसी उत्कृष्ट प्रदर्शन के दम पर वर्ष 2020 में उनका चयन एम्स रायपुर में एमबीबीएस पाठ्यक्रम के लिए चयन हुआ, जिसे उन्होंने वर्ष 2024 में सफलतापूर्वक पूर्ण करने का उपरांत वर्ष -2025 मे एम्स रायपुर मे ही इनका इनटर्नशिप पूरा हुआ और अब उन्हें उपाधि से नवाजा गया है। डॉ. अभिषेक कुमार तिवारी की इस गौरवमयी उपलब्धि पर एसईसीएल बिश्रामपुर क्षेत्र के सहकर्मियों , अधिकारियों एवं मित्र बंधु परिवारजन ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है।

राधा-कृष्ण के रूप में सजे नन्हे कान्हा, गूंजा जयकारा ।

जन्माष्टमी पर ब्रज बना सरस्वती शिशु मंदिर

गरियाबंद (विश्व परिवार)। मोरपंखी मुकुट, हाथों में बांसुरी और चेहरे पर कान्हा की मासूम मुस्कान... राधा-कृष्ण के मनमोहक स्वरूप में सजे सैकड़ों बच्चों ने जब सरस्वती शिशु मंदिर परिसर में कदम रखा तो पूरा वातावरण मानो ब्रजधाम में बदल गया। अवसर था सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय गरियाबंद में आयोजित जन्माष्टमी उत्सव का। श्रद्धा, उल्लास और सांस्कृतिक रंगों से सराबोर इस आयोजन ने बच्चों के साथ अभिभावकों और शिक्षकों का भी मन मोह लिया।

श्री भूतेश्वर नाथ बाल संस्कार समिति द्वारा संचालित विद्यालय में सुबह से ही जन्माष्टमी को लेकर उत्साह का माहौल रहा। नन्हे-मुन्ने बच्चे भगवान श्रीकृष्ण और राधा की आकर्षक वेशभूषा में विद्यालय पहुंचे। किसी के सिर पर मोरपंखी मुकुट सजा था तो कोई हाथों में बांसुरी थामे नन्हे कान्हा के रूप में आकर्षण का केंद्र बना रहा। बालिकाएं राधा के पारंपरिक परिधान में बेहद सुंदर नजर आईं।

जन्माष्टमी के अवसर पर भगवान श्रीकृष्ण के जीवन प्रसंगों पर आधारित मनमोहक झांकियां और विभिन्न सांस्कृतिक प्रस्तुतियां आयोजित की गईं। बच्चों ने पूरे आत्मविश्वास के साथ अपनी प्रतिभा का प्रदर्शन किया। उनकी शानदार प्रस्तुतियों पर विद्यालय परिसर तालियों की गड़गड़ाहट से गूंज उठा।

मटकी फोड़ प्रतियोगिता में बच्चों ने पूरे उत्साह और उमंग के साथ भाग लिया। वहीं माताओं के लिए आयोजित रस्साकशी प्रतियोगिता ने भी खूब रोमांच पैदा किया। कार्यक्रम के अंतिम चरण में सामूहिक डांडिया नृत्य ने उत्सव में चार चांद लगा दिए। बच्चों, माताओं और विद्यालय परिवार ने सामूहिक रूप से उत्सव का आनंद लिया।

कार्यक्रम के दौरान वक्ताओं ने कहा कि जन्माष्टमी जैसे आयोजन बच्चों को भारतीय संस्कृति, परंपराओं और नैतिक मूल्यों से जोड़ने का प्रभावी माध्यम हैं। शिक्षा के साथ सांस्कृतिक एवं रचनात्मक गतिविधियां बच्चों के आत्मविश्वास, अनुशासन और व्यक्तित्व विकास में महत्वपूर्ण भूमिका निभाती हैं।

अभिभावकों ने भी आयोजन की सराहना की। राधा-कृष्ण के रूप में सजे अपने बच्चों को देखकर उनके चेहरों पर खुशी साफ नजर आई। दिनभर विद्यालय परिसर में भक्ति गीतों, बच्चों की खिलखिलाहट और सांस्कृतिक प्रस्तुतियों की गूंज बनी रही। आयोजन को सफल बनाने में विद्यालय परिवार, आचार्य, दीदी, भैया-बहनों और अभिभावकों का सराहनीय सहयोग रहा। जन्माष्टमी का यह उत्सव बच्चों और पूरे विद्यालय परिवार के लिए यादगार बन गया।

संक्षिप्त समाचार

दीक्षा द्विवेदी बनीं एलएलएम की यूनिवर्सिटी टॉपर , संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय में उत्कृष्ट प्रदर्शन कर महाविद्यालय, परिवार और क्षेत्र का गौरव बढ़ाया

सूरजपुर ब्यूरो (दैनिक विश्व परिवार)-भटगांव संत गहिरा गुरु विश्वविद्यालय, अंबिकापुर द्वारा आयोजित एलएलएम विधि संकाय की परीक्षा में सोनगरा की दीक्षा द्विवेदी ने उत्कृष्ट प्रदर्शन करते हुए विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त किया है। उनकी इस उपलब्धि से महाविद्यालय, परिवार और पूरे क्षेत्र में हर्ष का माहौल है। दीक्षा द्विवेदी ने अपनी मेहनत, लगन और निरंतर अध्ययन के बल पर विश्वविद्यालय स्तर पर यह महत्वपूर्ण सफलता हासिल की है। उनकी उपलब्धि को क्षेत्र के लिए गौरव का विषय माना जा रहा है। परिजनों, शिक्षकों, सहपाठियों और शुभचिंतकों ने उन्हें बधाई देते हुए उनके उज्ज्वल भविष्य की कामना की है। उल्लेखनीय है कि दीक्षा द्विवेदी सोनगरा निवासी और भाजपा सहकारिता प्रकोष्ठ के जिला संयोजक शरद चन्द्र द्विवेदी की पुत्री हैं। दीक्षा की सफलता से उनके परिवार में खुशी का माहौल है। परिजनों ने उनकी मेहनत और लगन को इस सफलता का आधार बताते हुए कहा कि यह उपलब्धि अन्य विद्यार्थियों के लिए भी प्रेरणादायक है। दीक्षा ने अपनी सफलता का श्रेय अपने माता-पिता, गुरुजनों और परिवार के मार्गदर्शन एवं सहयोग को दिया है। विश्वविद्यालय में प्रथम स्थान प्राप्त कर उन्होंने यह संदेश दिया है कि दृढ़ संकल्प, अनुशासन और निरंतर मेहनत के बल पर किसी भी लक्ष्य को प्राप्त किया जा सकता है।

MIVI 24 सितंबर को फ्लिप्कार्ट पर अपना पहला स्मार्टफोन MIVI One लॉन्च करेगा

रायपुर: भारत के भरोसेमंद और प्रमुख घरेलू कंज्यूमर टेक्नोलॉजी ब्रांड्स में से एक, Mivi ने आज Qualcomm, फ्लिप्कार्ट और Google के साथ मिलकर 'Mivi One' के जरिए स्मार्टफोन कैटेगरी में कदम रखने की घोषणा की। Mivi One को 24 सितंबर 2026 को विशेष रूप से केवल फ्लिप्कार्ट पर लॉन्च किया जाएगा। अपने सेगमेंट में यह भारत का एकमात्र ऐसा स्मार्टफोन होगा, जिसमें Snapdragon 5G चिपसेट मिलेगा। इसे भारतीय कंज्यूमर्स की जरूरतों और उपयोग को ध्यान में रखते हुए विकसित किया गया है। Mivi पहले से ही भारतीय मार्केट में एक भरोसेमंद नाम है और पर्सनल व होम ऑडियो के क्षेत्र में इसकी मजबूत मौजूदगी है। इसके प्रोडक्ट्स में ट्रू वायरलेस ईयरबड्स, नेकबैंड, हेडफोन्स, स्पीकर्स और साउंडबार शामिल हैं। भारत में एंड-टू-एंड प्रोडक्ट डेवलपमेंट, डिजाइन, R&D और मैन्युफैक्चरिंग के एक दशक के एक्सपीरियंस के साथ, Mivi अपनी हैदराबाद फैसिलिटी में Mivi One का निर्माण करेगी। Mivi के चीफ बिजनेस ऑफिसर, मिस्टर हिमांशु टंडन ने कहा, आज का स्मार्टफोन कस्टमर बहुत समझदार हो गया है। परफॉर्मेंस, डिजाइन, भरोसेमंदता और वैल्यू अब ऐसी चीजें नहीं हैं जिनके बीच समझौता करना पड़े, खासकर युवा और आगे बढ़ने की चाह रखने वाले भारतीय कस्टमर्स के लिए।

रेंज रोवर इलेक्ट्रिक ओरिजिनल लग्जरी एसयूवी के लिए एक नए युग की शुरुआत

रायपुर: ओरिजिनल लग्जरी स्क कही जाने वाली रेंज रोवर अब इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन के साथ उपलब्ध है, जो बेहतर परिष्कार और क्षमता के एक नए युग की घोषणा करती है। 1970 से रेंज रोवर का घर रहे सोलिहल में बनी यह पहली इलेक्ट्रिक रेंज रोवर है। यह रेंज रोवर ब्रांड के लिए एक बड़ी उपलब्धि है। अब तक की किसी भी रेंज रोवर से ज्यादा शांत, ज्यादा सहज, ज्यादा प्रतिक्रियाशील और ज्यादा टॉर्क देने वाली रेंज रोवर इलेक्ट्रिक बेमिसाल डिजाइन के साथ असाधारण परिष्कार और चकित कर देने वाली आधुनिकता को जोड़ती है। इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन केबिन का शोर कम करती है और रेंज रोवर की खास खूबियों को और बेहतर बनाती है—बेहतरीन प्रदर्शन, शानदार लग्जरी और हर रास्ते पर दमदार क्षमता। शुरुआत से ही इलेक्ट्रिक प्रोपल्शन के लिए तैयार किए गए लचीले आर्किटेक्चर में इसे बेहद सहजता से समाहित करते हुए रेंज रोवर इलेक्ट्रिक में दो परमानेंट मैग्नेट 260 kW इलेक्ट्रिक मोटरें दी गई हैं, जो 405 kW तक पावर और 850 Nm टॉर्क पैदा करती हैं। 600 किमी तक की (WLTP) रेंज1 और 535 किमी तक की रियल-वर्ल्ड रेंज4 के चलते अधिकांश रेंज रोवर ग्राहक अपनी रोजमर्रा की यात्राएं दोबारा चार्ज किए बिना ही पूरी कर सकेंगे।

मार्टिन लिंपर्ट, मैनेजिंग डायरेक्टर, रेंज रोवर, ने कहा: रेंज रोवर इलेक्ट्रिक एक दशक की सुविचारित इंजीनियरिंग और तकनीकी विकास का नतीजा है।

दैनिक
विश्व परिवार
महानगर
www.dainikvishwapariwar.com
vishwapariwarraipur@gmail.com
रायपुर, शनिवार 05 सितम्बर 2026

रामकृष्ण CARE कैंसर इंस्टीट्यूट रायपुर में उन्नत रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं की शुरुआत

■ IGRT, SRS और SBRT जैसी अत्याधुनिक प्रिसीजन रेडिएशन तकनीकों के साथ छत्तीसगढ़ में व्यापक कैंसर उपचार की सुविधा को मिला और मजबूती

रायपुर (विश्व परिवार)। रामकृष्ण CARE कैंसर इंस्टीट्यूट ने रायपुर में उन्नत रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं की शुरुआत की है। यह छत्तीसगढ़ और आसपास के क्षेत्रों के मरीजों के लिए व्यापक कैंसर उपचार की उपलब्धता को मजबूत करने की दिशा में एक महत्वपूर्ण कदम है।

रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं की शुरुआत के साथ इंस्टीट्यूट ने अपने मल्टीडिसिप्लिनरी कैंसर केयर कार्यक्रम को और सशक्त किया है। यहां रेडिएशन ऑन्कोलॉजी, सर्जिकल ऑन्कोलॉजी और मेडिकल ऑन्कोलॉजी के साथ उन्नत डायग्नोस्टिक एवं विशेष उपचार सुविधाएं एक ही छत के नीचे उपलब्ध हैं।

कैंसर मरीजों के लिए अपने शहर और राज्य के भीतर रेडिएशन थेरेपी की सुविधा मिलना विशेष रूप से महत्वपूर्ण है, क्योंकि रेडिएशन उपचार के लिए कई सप्ताह तक कई सत्रों की आवश्यकता हो सकती है। रायपुर में उन्नत रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं की उपलब्धता से पात्र मरीजों को एकीकृत कैंसर केयर व्यवस्था के अंतर्गत जांच, मल्टीडिसिप्लिनरी उपचार योजना, रेडिएशन थेरेपी और फॉलो-अप की सुविधा मिल सकेगी। इससे विशेष उपचार के लिए दूसरे शहरों की यात्रा से जुड़ी शारीरिक, भावनात्मक और लॉजिस्टिक परेशानियों को कम करने में मदद मिलेगी।

रेडिएशन थेरेपी कैंसर उपचार का एक महत्वपूर्ण हिस्सा है। कैंसर के प्रकार, स्थान और स्टेज के आधार पर इसका उपयोग अकेले या सर्जरी, कीमोथेरेपी और अन्य उपचार पद्धतियों के साथ किया जा सकता है। रामकृष्ण CARE कैंसर इंस्टीट्यूट में रेडिएशन ऑन्कोलॉजी सेवाओं की उपलब्धता मरीजों को मल्टीडिसिप्लिनरी दृष्टिकोण के माध्यम से समन्वित उपचार योजना और देखभाल प्रदान करेगी।

उन्नत रेडिएशन ऑन्कोलॉजी इंफ्रास्ट्रक्चर

नव-प्रारंभित रेडिएशन ऑन्कोलॉजी विभाग में एक अत्याधुनिक Linear Accelerator (LINAC) स्थापित किया गया है, जिसे हाई-प्रिसीजन रेडिएशन थेरेपी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह सेंट्रल इंडिया का पहला AI इंटेलिजेंस से लैस LINAC है।

यह सिस्टम Image-Guided Radiation Therapy (IGRT), Intensity Modulated Radiotherapy (IMRT), Stereotactic Radiosurgery (SRS) और Stereotactic Body Radiation Therapy (SBRT) जैसी उन्नत रेडिएशन तकनीकों को सपोर्ट करता है।

स्थापित Versa HD सिस्टम स्टीरियोटैक्टिक उपचारों के लिए सब-मिलीमीटर एंड-टू-एंड एक्यूरेसी प्रदान करने के लिए डिजाइन किया गया है। यह जटिल और चुनौतीपूर्ण ट्यूमर के सटीक उपचार में सहायता करता है। प्रिसीजन रेडिएशन थेरेपी का प्रमुख उद्देश्य ट्यूमर तक निर्धारित रेडिएशन डोज को सटीक रूप से पहुंचाना और आसपास के स्वस्थ ऊतकों पर अनावश्यक रेडिएशन के प्रभाव को यथासंभव कम करना है। यह सिस्टम मरीज के चारों ओर विभिन्न कोणों से रेडिएशन बीम पहुंचाने में सक्षम है, जिससे निर्धारित रेडिएशन डोज को लक्षित क्षेत्र पर केंद्रित किया जा सकता है और आसपास के स्वस्थ ऊतकों को यथासंभव सुरक्षित रखा जा सकता है।

आज 'शिक्षक दिवस' पर नवा रायपुर के तुता मैदान में जुटेंगे हजारों शिक्षक

■ सर्वोच्च न्यायालय के निर्णय, NCTE की गाईडलाइन और छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र के आधार पर पदोन्नति देने की मांग तेज

रायपुर (विश्व परिवार)। छत्तीसगढ़ के टीईटी (शिक्षक पात्रता परीक्षा) उत्तीर्ण शिक्षकों ने अपनी लंबित पदोन्नति की प्रक्रिया को शीघ्र पूरा करने के लिए सरकार के खिलाफ मोर्चा खोल दिया है। राज्य के हज़ारों पात्रता धारी शिक्षकों ने मांग की है कि उनकी पदोन्नति माननीय सर्वोच्च न्यायालय के ऐतिहासिक निर्णय एवं छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में उल्लेखित नियमों के आधार पर तुरंत की जाए। अपनी इस जायज मांग को लेकर शिक्षकों ने आगामी 5 सितम्बर (शिक्षक दिवस) को राजधानी रायपुर के तुता मैदान, नवा रायपुर में एक विशाल 'टीईटी आधारित पदोन्नति न्याय सत्याग्रह' करने का शंखनाद कर दिया है।

बच्चों के भविष्य के लिए नियम सम्मत पदोन्नति जरूरीटीईटी उत्तीर्ण शिक्षक संघ के पदाधिकारियों का कहना है कि शिक्षा की गुणवत्ता को सुधारने के लिए प्राथमिक और माध्यमिक शालाओं में विषय-विशेषज्ञ और पात्रता प्राप्त शिक्षकों का होना अनिवार्य है। यदि छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र और उच्चतम न्यायालय के दिशा-निर्देशों के तहत टीईटी अनिवार्य करते हुए पदोन्नति की जाती है, तो स्कूलों में पढ़ रहे बच्चों को विषय के अनुकूल योग्य, अनुभवी एवं पूर्णत: पात्रता प्राप्त शिक्षक मिल सकेंगे। इससे न केवल शिक्षण व्यवस्था मजबूत होगी, बल्कि प्रदेश का शैक्षणिक स्तर भी सुधरेगा।

सर्वोच्च न्यायालय के फैसले का हवालाशिक्षकों का स्पष्ट मत है कि माननीय सर्वोच्च न्यायालय और राष्ट्रीय अध्यापक शिक्षा परिषद (NCTE) ने अपने आदेशों में साफ किया है कि शिक्षकों की भर्ती और पदोन्नति दोनों में ही टीईटी की योग्यता अनिवार्य है। छत्तीसगढ़ शासन के राजपत्र में भी इसके प्रावधान मौजूद हैं। इसके बावजूद, विभाग द्वारा इस प्रक्रिया में हो रही देरी से योग्यताधारी शिक्षकों में भारी असंतोष और निराशा व्याप्त है। शिक्षकों का कहना है कि बिना टीईटी योग्यता वाले शिक्षकों को पदोन्नत करना नियमों का उल्लंघन होगा।

सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मिले बालोद का प्रतिनिधिमंडल

■ ग्राम पंचायत घोतिमटोला में पंचायत भवन निर्माण और विकास कार्यों में अनियमितता की निष्पक्ष जांच की मांग

रायपुर (विश्व परिवार)। बालोद जिले के विकासखंड डौण्डी अंतर्गत ग्राम पंचायत घोतिमटोला से बड़ी संख्या में रायपुर पहुंचे ग्रामीणों और पंचों के प्रतिनिधिमंडल ने गुरुवार को सांसद बृजमोहन अग्रवाल से मुलाकात कर अपनी समस्याएं बताई।

ग्रामीणों ने सांसद श्री बृजमोहन को ज्ञापन सौंपते हुए बताया कि वर्ष 2014 में नवीन ग्राम पंचायत गठन के 12 वर्ष बीत जाने के बावजूद आज तक गांव में पंचायत भवन का निर्माण नहीं हो सका है, ग्रामीणों का कहना है कि उनके ग्राम पंचायत में पंचायत भवन प्रस्तावित था लेकिन उसका निर्माण आश्रित ग्राम में करा दिया गया। जिसको लेकर ग्रामीणों ने कोर्ट में भी मामला दर्ज कराया है और अधिकारियों से भी मुलाकात की लेकिन कही से राहत न मिलने के बाद उन्होंने पूर्व मंत्री एवं वरिष्ठ भाजपा नेता श्री बृजमोहन अग्रवाल से भेंट की।

इसके साथ ही प्रतिनिधिमंडल ने पंचायत में अब तक कराए गए विकास कार्यों और शासकीय राशि के उपयोग पर गंभीर सवाल खड़े किए। ग्रामीणों ने आरोप लगाया कि पंचायत स्तर पर विकास कार्यों में भारी अनियमितताएं बरती जा रही हैं और योजनाओं का लाभ पात्र हितग्राहियों तक नहीं पहुंच पा रहा है।

ग्रामीणों ने सांसद श्री बृजमोहन पूरे मामले की प्रशासनिक स्तर पर निष्पक्ष जांच कराने का अनुरोध किया।

ग्रामीणों ने अपनी पीड़ा व्यक्त करते हुए कहा कि जब भी वे पंचायत भवन निर्माण अथवा विकास कार्यों में पारदर्शिता को लेकर स्थानीय स्तर पर आवाज उठाते हैं, तो स्थानीय प्रशासन और पंचायत प्रतिनिधियों द्वारा उन्हें सहयोग देने के बजाय एफ्आईआर दर्ज कराने और कानूनी कार्रवाई की धमकियां दी जाती हैं।

ग्रामीणों की समस्याएं गंभीरता से सुनने के बाद रायपुर सांसद बृजमोहन अग्रवाल ने कहा कि बालोद जिले के घोतिमटोला से ग्रामीण पहली बार अपनी वाजिब मांगों को लेकर मेरे पास पहुंचे हैं। लोकतंत्र में जनता की आवाज दबाना और विकास कार्यों में अपारदर्शिता रखना कतई स्वीकार्य नहीं है। ग्रामीणों के साथ किसी भी प्रकार का अन्याय या प्रशासनिक दबाव बर्दाश्त नहीं किया जाएगा।

श्री बृजमोहन ने कहा कि, गांव में यथाशीघ्र पंचायत भवन का निर्माण हो, शासकीय राशि के उपयोग में पूरी पारदर्शिता बरती जाए और ग्रामीणों द्वारा उठाए गए बिंदुओं की निष्पक्ष जांच हो, इसके लिए संबंधित उच्च प्रशासनिक अधिकारियों से चर्चा कर त्वरित और न्यायसंगत समाधान सुनिश्चित कराया जाएगा।

रायपुर में 7 को संभागस्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन

■ मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे मुख्य अतिथि, केंद्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे अध्यक्षता और प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय होंगे मुख्य वक्ता

रायपुर (विश्व परिवार)। भारतीय जनता पार्टी ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री अशोक सिन्हा ने कहा है कि आगामी 7 सितम्बर को मोर्चा के तत्वावधान में रायपुर सम्भागस्तरीय प्रबुद्धजन सम्मान एवं कार्यकर्ता सम्मेलन का आयोजन राजधानी स्थित पं. दीनदयाल उपाध्याय ऑडिटोरियम (साइंस कॉलेज परिसर) में किया जा रहा है। कार्यक्रम के मुख्य अतिथि मुख्यमंत्री विष्णुदेव साय होंगे और अध्यक्षता केन्द्रीय राज्यमंत्री तोखन साहू करेंगे। भाजपा प्रदेश संगठन महामंत्री पवन साय कार्यक्रम के मुख्य वक्ता होंगे। श्री सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में रायपुर संभाग के विभिन्न जिलों से बड़ी संख्या में प्रबुद्धजन, सामाजिक प्रतिनिधि, जनप्रतिनिधि एवं भाजपा ओबीसी मोर्चा के कार्यकर्ता शामिल होंगे।

भाजपा ओबीसी मोर्चा के प्रदेश महामंत्री श्री सिन्हा ने कहा कि कार्यक्रम के माध्यम से समाज के विभिन्न क्षेत्रों में उल्लेखनीय योगदान देने वाले प्रबुद्धजनों का सम्मान करने के साथ-साथ संगठन के कार्यकर्ताओं में नई ऊर्जा एवं उत्साह का संचार किया जाएगा। सम्मेलन का उद्देश्य सामाजिक सहभागिता को मजबूत करना, समाज के प्रबुद्ध वर्ग और संगठन के बीच संवाद को और अधिक प्रभावी बनाना तथा प्रधानमंत्री नरेंद्र मोदी के नेतृत्व में चल रहे सबका साथ, सबका विकास, सबका विश्वास और सबका प्रयास के संकल्प को जन-जन तक पहुंचाना है। श्री सिन्हा ने बताया कि कार्यक्रम में उपमुख्यमंत्री अरुण साव, कैबिनेट मंत्री ओ.पी. चौधरी, श्यामबिहारी जायसवाल, लक्ष्मी राजवाड़े एवं टंकराम वर्मा सहित अनेक वरिष्ठ जनप्रतिनिधि भाजपा के प्रदेश एवं जिला पदाधिकारी तथा विभिन्न सामाजिक क्षेत्रों से जुड़े प्रबुद्धजन विशेष रूप से उपस्थित रहेंगे।

अपर महाप्रबन्धक विजय कुमार साहू ने मेजर स्टेशन पुनर्विकास कार्यों का किया निरीक्षण

रायपुर (विश्व परिवार)। दक्षिण पूर्व मध्य रेलवे के अपर महाप्रबंधक श्री विजय कुमार साहू द्वारा दिनांक 4 सितंबर 2026 को बिलासपुर से दुर्ग सेक्शन का विंडो ट्रेलिंग इंस्पेक्शन, दुर्ग और रायपुर स्टेशन के मेजर री -डेवलपमेंट विकासात्मक, निर्माणाधीन, इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों का निरीक्षण किया।

दुर्ग एवं रायपुर स्टेशनो के विभिन्न विकास एवं पुनर्विकास कार्यों का विस्तृत अवलोकन किया तथा संबंधित अधिकारियों से कार्यों की वर्तमान प्रगति, निर्धारित समय-सीमा एवं आगामी कार्ययोजना की जानकारी ली। उन्होंने स्टेशन पुनर्विकास से संबंधित मॉडल एवं ले-आउट प्लान का अवलोकन करते हुए अधिकारियों को सभी कार्यों को निर्धारित मानकों एवं उच्च गुणवत्ता के साथ समयबद्ध रूप से पूर्ण करने के आवश्यक दिशा-निर्देश दिए। दुर्ग रेलवे स्टेशन के दोनों साइड चल रहे इंफ्रास्ट्रक्चर कार्यों आर पी एफ बैरक, नए प्लेटफार्म, ओवरहेड टैंक, यात्री प्रतीक्षालय, पार्सल ऑफिस, स्टाफ क्वार्टर का ड्राइंग से अवलोकन कर वास्तविक स्थिति

का आकलन किया। अपर महाप्रबंधक ने कोचिंग डिपो दुर्ग भी का निरीक्षण किया। रायपुर स्टेशन पर चल रहे स्टेशन री डेवलपमेंट के कार्य गुढ़ियारी एवं मुख्य प्रवेश साइड में चल रहे मेजर री -डेवलपमेंट कार्यों का निरीक्षण किया।

रायपुर और दुर्ग रेलवे स्टेशन पर वर्तमान में संचालित कार्यालय के शिफ्टिंग की व्यवस्था यात्री सुविधाओं को बनाए रखते हुए रेल परिचालन सुचारू रूप से चले यात्रियों को कोई परेशानी ना हो निर्माणाधीन कार्य भी सुचारू रूप से योजनाबद्ध हो यात्रियों को संरक्षित, सुगम एवं सुविधाजनक यात्रा अनुभव उपलब्ध मिले।

नगर निगम स्कूलों के शिक्षक होंगे सम्मानित

रायपुर। रायपुर नगर पालिक निगम खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के तत्वावधान में शिक्षक दिवस दिनांक 5 सितम्बर 2026 शनिवार को दोपहर 1 बजे रायपुर नगर पालिक निगम मुख्यालय भवन महात्मा गाँधी सदन के चतुर्थ तल पर नगर निगम सामान्य सभा सभागार में रायपुर नगर निगम की स्कूलों के शिक्षक - शिक्षिकाओं को पूर्व राष्ट्रपति महान शिक्षक डॉ सर्वपल्ली राधाकृष्णन की जयन्ती के अवसर पर शिक्षक दिवस पर सम्मानित किया जायेगा.

शिक्षक दिवस आयोजन में शिक्षक - शिक्षिकाओं का सम्मान रायपुर नगर पालिक निगम की महापौर श्रीमती मीनल चौबे, सभापति श्री सूर्यकान्त राठौड़, खेलकूद एवं युवा कल्याण विभाग के अध्यक्ष श्री नंदकिशोर साहू करेंगे।

फर्जी नियुक्ति और फर्जी ट्रांसफर का गिरोह बेखौफ काम कर रहा है: कांग्रेस

■ भाजपा के कुशासन में प्रदेश दलालों और फर्जीवाड़े का अड्डा बन गया है

रायपुर (विश्व परिवार)। बीज निगम में फर्जी नियुक्ति पत्र और स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर आदेश के मामले को सीधे तौर पर प्रशासनिक भ्रष्टाचार, युवाओं के भविष्य से खिलवाड़ बताते हुए प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि छत्तीसगढ़ में भाजपा सरकार आते ही भ्रष्टाचार और फर्जीवाड़े का खुला खेल शुरू हो गया है। कृषि विभाग के सबसे महत्वपूर्ण अंग 'बीज निगम' में फर्जी नियुक्ति पत्र और फर्जी ट्रांसफर आदेश बांटे जा रहे हैं। एक तरफ छत्तीसगढ़ का बेरोजगार युवा सड़कों पर भटक रहा है, वहीं दूसरी तरफ बीज निगम में बैकडोर से पैसे लेकर फर्जी नियुक्तियों का सिंडिकेट चल रहा है। बीज निगम सीधे तौर पर किसानों के हितों से जुड़ा है, यह सीधे तौर पर हमारे युवाओं के साथ धोखा और किसानों के साथ गद्दारी है।

प्रदेश कांग्रेस संचार प्रमुख सुशील आनंद शुक्ला ने कहा है कि भाजपा सरकार राज्य में 'सुशासन' और 'जीरो टॉलरेंस' का ढिंढोरा पीट रही है, जबकि जमीनी हकीकत यह है कि बीज निगम जैसी महत्वपूर्ण संस्था में महाप्रबंधक के डिजिटल हस्ताक्षर स्कैन कर उसका स्तेमाल करके फर्जी नियुक्ति पत्र जारी किए जा रहे हैं, स्वास्थ्य विभाग में फर्जी ट्रांसफर के लेटर पैड खुलेआम बट रहे हैं। हाल ही में बलौदा बाजार जिले में आरएमए के फर्जी ट्रांसफर आदेश मामले में दो बड़े भाजपा नेताओं की संलिप्तता उजागर हुए हैं। इस सरकार में प्रशासनिक निगरानी पूरी तरह ध्वस्त हो चुकी है। फर्जी ट्रांसफर और फर्जी नियुक्तियों का गिरोह बेखौफकाम कर रहा है।

अवैध एवं असुरक्षित फ्लैक्स-बैनर से गंभीर दुर्घटना का खतरा, नागरिकों से सावधानी बरतने की अपील

रायपुर (विश्व परिवार)। नगर पालिक निगम रायपुर ने शहर में लगाए जाने वाले फ्लैक्स एवं बैनर को लेकर नागरिकों, व्यापारियों एवं विज्ञापनदाताओं से जनहित एवं नागरिक सुरक्षा की दृष्टि से विशेष सावधानी बरतने की अपील की है।

शहर में बिना अनुमति लगाए गए अथवा असुरक्षित तरीके से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनर न केवल शहर की सुंदरता एवं व्यवस्थित स्वरूप को प्रभावित करते हैं, बल्कि नागरिकों के लिए गंभीर सुरक्षा जोखिम भी पैदा कर सकते हैं।

विशेष रूप से कटे-फटे, ढीले अथवा कमजोर तरीके से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनर तेज हवा, बारिश एवं खराब मौसम में उड़कर या गिरकर दुर्घटना का कारण बन सकते हैं। सड़क एवं फुटपाथ के आसपास लगे

ऐसे फ्लैक्स दो-पहिया एवं चार-पहिया वाहन चालकों की दृश्यता बाधित कर सकते हैं, जिससे सड़क दुर्घटना की आशंका बढ़ जाती है। वहीं इनके गिरने अथवा उड़ने से पैदल यात्रियों को भी गंभीर चोट लगने का खतरा रहता है।

अनधिकृत रूप से लगाए गए फ्लैक्स एवं बैनरों में उनके स्ट्रक्चर, फिक्सिंग, मजबूती एवं स्थापना स्थल की सुरक्षा का समुचित परीक्षण नहीं हो पाता। इसलिए इनका अनियंत्रित एवं असुरक्षित उपयोग जनसुरक्षा के लिए गंभीर समस्या बन सकता है।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी के पावन पर्व पर महापौर ने दी विकास की सौगात

■ गुरूद्वारा के पीछे एवं गोकुल नगर में सामुदायिक भवन तथा जीवन कालोनी में रोड नाली निर्माण के लिए किया भूमिपूजन

राजनांदगांव (विश्व परिवार)। नगर निगम द्वारा वार्डो में अधोसंरचना, विधायक, सांसद, महापौर, पार्षद निधि अंतर्गत मूलभूत सुविधा रोड, नाली के अलावा, सामुदायिक भवन, मंच, उद्यान आदि निर्माण कार्य स्वीकृति अनुसार कराया जा रहा है। इसी कडी में वार्ड नं. 24 में गुरूद्वारा के पीछे 20 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन निर्माण तथा वार्ड नं. 45 गोकुल नगर मे 5 लाख रूपये की लागत से सामुदायिक भवन एवं जीवन कालोनी शिव मंदिर रोड में 18.50 लाख रूपये की लागत से नाली तथा सडक निर्माण कार्य कराने महापौर श्री मधुसूदन यादव ने पूजा अर्चनाकर भूमिपूजन किया।

वार्ड नं. 24 में आयोजित भूमिपूजन में स्वास्थ्य विभाग के प्रभारी सदस्य व वार्ड पार्षद श्री शैकी बग्गा, लोककर्म विभाग के प्रभारी सदस्य श्री सावन वर्मा, पार्षद श्री मनोहर यादव, पूर्व पार्षद श्रीमती जया यादव के अलावा अशोक श्रीवास्तव, गोलू सूर्यवंशी, लता यदु, माखन यादव, मोहन निषाद, राजुलाल यादव, वर्षा यादव, सीमा यादव, शीला यादव, चंद्रिका राजपूत, की उपस्थिति में पूजा अर्चना कर भूमिपूजन किया। वही वार्ड नं. 45 में वार्ड पार्षद श्री दुरेन्द्र साहू, पार्षद श्री सेवक उईके, के अलावा अंबिका प्रसाद तिवारी, राजेन्द्र पाण्डे, अंकित चैहान, लता रजक, पंकज सिंह, मुकेश सिंह, प्रमोद साहू, अनिल सिंह, अरूण भारद्वाज, संतोष मिश्रा, आशीष दुबे की उपस्थिति में भूमिपूजन किया। दोनो वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में महापौर का वार्डवासियो ने पुष्पगुच्छ से स्वागत किया।

इस अवसर पर महापौर मधुसूदन यादव ने कृष्ण जन्माष्टमी की बधाई देते हुए कहा कि आज इस पावन त्योहार के अवसर पर वार्डो में भूमिपूजन किया जा रहा है। कुछ वार्डो में लोकार्पण भी किया गया, यह मेरे लिए सौभाग्य की बात है। उन्होंने कहा कि नगर निगम द्वारा मुख्यमंत्री श्री विष्णु देव साय,नगरीय प्रशासन मंत्री श्री अरूण साव, विधानसभा अध्यक्ष डॉ. रमन सिह एवं सांसद श्री संतोष पाण्डे के सहयोग से शहर के सभी वार्डों में आधारभूत सुविधाओं के विस्तार एवं जनकल्याणकारी विकास कार्यों को प्राथमिकता के साथ आगे बढ़ाया जा रहा है। उन्होंने कहा कि सभी वार्डो में प्राथमिकता के आधार पर नागरिकों की आवश्यकताओं के अनुरूप कार्य कराए जा रहे हैं और भविष्य में भी जनसुविधाओं के विस्तार के लिए विकास कार्य कराने सतत प्रयास किया जायेगा। दोनो वार्ड में आयोजित कार्यक्रम में नगर निगम के तकनीकि अधिकारियो के अलावा वार्डवासियो की उपस्थिति रही।

श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन

रायपुर। श्री कृष्ण जन्माष्टमी उत्सव का आयोजन शिव शिक्षण समिति, रायपुर द्वारा संचालित सरस्वती शिशु मंदिर उच्चतर माध्यमिक विद्यालय, माना कैम्प, रायपुर में किया गया। हांडी फोड़, दही लूट आदि पारंपरिक तरीके के आयोजन के साथ ही श्री कृष्ण जन्माष्टमी पर भगवान की पूजा कर भोग अर्पित किया गया। भोग का वितरण किया गया। विधार्थी मनमोहक वेश भूषा में उपस्थित रहे।

कार्यकर्ता के सुख-दुख में साथ, जनता की समस्याओं के समाधान में तत्पर: पुरन्दर मिश्रा

■ अस्वस्थ भाजपा कार्यकर्ता प्रीतम महानंद से मिले विधायक पुरन्दर मिश्रा

■ जहां मिली जनता, वहीं रुक गए विधायक पुरन्दर मिश्रा; सुनीं समस्याएं, अधिकारियों को दिए निर्देश

रायपुर (विश्व परिवार)। जनप्रतिनिधित्व केवल विकास कार्यों तक सीमित नहीं, बल्कि जनता के सुख-दुख में सहभागी बनकर उनकी भावनाओं और समस्याओं को समझना भी उसकी महत्वपूर्ण जिम्मेदारी है। इसी संवेदनशील जनप्रतिनिधि की भूमिका निभाते हुए रायपुर उत्तर विधानसभा क्षेत्र के विधायक पुरन्दर मिश्रा ने भाजपा जिला कार्यसमिति सदस्य प्रीतम महानंद के अस्वस्थ होने की जानकारी मिलने पर उनके निवास पहुंचकर कुशलक्षेम जाना।

विधायक पुरन्दर मिश्रा ने प्रीतम महानंद के स्वास्थ्य की जानकारी लेते हुए उनके शीघ्र स्वस्थ होने की कामना की। इस अवसर पर उन्होंने कहा कि भारतीय जनता पार्टी में कार्यकर्ता केवल संगठन का हिस्सा नहीं, बल्कि परिवार का सदस्य होता है। कार्यकर्ताओं के सुख-दुख में साथ खड़ा होना हमारी संगठनात्मक संस्कृति और सामाजिक संवेदनशीलता का परिचायक है।

रास्ते में रुके, जनता के बीच पहुंचे विधायक

प्रीतम महानंद का हालचाल जानने के बाद लौटते समय विधायक पुरन्दर मिश्रा जगन्नाथ नगर क्षेत्र में माताओं-बहनों एवं स्थानीय नागरिकों के बीच पहुंचे। अचानक अपने बीच विधायक को देखकर क्षेत्रवासियों ने भी आत्मीयता से उनका स्वागत किया। विधायक ने सहजता के साथ लोगों के बीच बैठकर उनसे क्षेत्र की स्थिति और रोजमर्रा की समस्याओं को लेकर संवाद किया। इस दौरान माताओं-बहनों एवं नागरिकों ने सड़क, नाली, साफ-सफाई, पेयजल, जल निकासी सहित विभिन्न मूलभूत सुविधाओं से जुड़ी समस्याओं को विधायक के समक्ष रखा।

छत्तीसगढ़ शासन
आसान हो रही राहें
पटरियों पर दौड़ रहा विकास
छत्तीसगढ़ में रेल कनेक्टिविटी का विस्तार
समृद्धि और सुविधा की नई बहार
रायपुर
RAIPUR
₹47,447
करोड़ की रेल परियोजनाएं प्रगतिरत
₹6,925
करोड़ का रेल बजट
32 स्टेशनों का आधुनिकीकरण
5 स्टेशनों का पुनर्विकास
बेहतर कनेक्टिविटी
समृद्ध छत्तीसगढ़ की ओर
हमसे जुड़ने के लिए
QR स्कैन करें
छत्तीसगढ़ जनसंपर्क
/ChhattisgarhCMO
/DPRChhattisgarh
www.dprcg.gov.in
श्री विष्णु देव साय
माननीय मुख्यमंत्री, छत्तीसगढ़
श्री नरेन्द्र मोदी
माननीय प्रधानमंत्री
SAMVAD- 48627/35
सुशासन से समृद्धि की ओर